www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhusgr@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष – 8 I अंक–194 I सागर, शनिवार, 2 सितंबर 2023 I पृष्ठ –8 I मूल्य – 3.00 रुपए

प्रसूति गृह में पदस्थ महिला चिकित्सक छुट्टी पर, परेशान हो रहीं गर्भवती महिलाएं पृष्ठ 3

- कदम चांद पर लेकिन सोच वही दकियानूसी
- चांद पर 'शिवशक्ति पाइंट' : राजनीति का अंतरिक्ष पृष्ठ 4

- जांच में अधिकारियों ने पाया बगैर निर्माण के निकाली राशि, अब दोषियों से होगी वसूली पृष्ठ 6

पीएम स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन में नगर निगम सागर प्रदेश में प्रथम पृष्ठ 8

इंडिया गठबंधन की तीसरी बैठक में 14 सदस्यीय समन्वय समिति गठित

जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया थीम पर चुनाव लड़ने का ऐलान

30 सितम्बर तक लिया जाना है सीट बंटवारे पर फैसला

मुंबई, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को हराने के मकसद से बने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की तीसरी बैठक मुंबई में हुई। 31 अगस्त और 1 सितम्बर को हुई इस बैठक में इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल अलायंस के चुनाव लड़ने के लिए जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया थीम तय की गई है। शुक्रवार की बैठक में को-ऑर्डिनेशन कमेटी का ऐलान हुआ है, जिसमें 14 सदस्य होंगे। गठबंधन के लोगों और संयोजक का ऐलान अगली मीटिंग में किया जाएगा। जबकि सीट शेयरिंग पर फैसला 30 सितंबर तक लिया जाना है।

14 सदस्यीय कमेटी में 1 मुख्यमंत्री, एक उपमुख्यमंत्री, दो पूर्व मुख्यमंत्री

विपक्ष की कमेटी में 1 सीएम, 1 डिप्टी सीएम, दो पूर्व मुख्यमंत्री, 5 राज्यसभा और 2 लोकसभा सांसदों को जगह दी गई है। इसके अलावा लेफ्ट से दो नेताओं को कमेटी में शामिल किया गया है। कमेटी में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव। जम्मू-कश्मीर से दो पूर्व मुख्यमंत्री- उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती हैं। पांच राज्यसभा सांसद हैं केसी वेणुगोपाल (कांग्रेस), संजय राउत (शिवसेना यूबीटी), शरद पवार (एनसीपी), राघव चड्ढा (आप) और जावेद अली खान (सपा)। लोकसभा के दो सांसद, ललन सिंह, अभिषेक बनर्जी, डी राजा और एक सदस्य सीपीआई (एम) से शामिल किया गया है। सीपीआई (एम) के सदस्य के नाम की घोषणा नहीं की गई है।

सूत्रों ने बताया कि, विपक्षी गठबंधन की तीसरी बैठक में तय हुआ है कि सीट आबंटन का फॉर्मूला राज्य स्तरीय स्थानीय गठबंधन द्वारा तय किया जाएगा। इसके साथ ही जिन सीटों पर गणित मेल नहीं खा रहा है, उन सीटों पर समन्वय समिति फैसला करेगी। वहीं सितंबर के दूसरे सप्ताह से देशभर में विभिन्न स्थानों पर प्रमुख कार्यक्रम शुरू हो जाएंगे। इसके साथ ही जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है, वहां समन्वय समिति मुख्य रूप से गठबंधन बनाने के कार्यक्रम चलाएगी।

गठबंधन के लोगो पर सहमति नहीं बन पाई। इसलिए इसे तीसरी बैठक में लॉन्च नहीं किया गया। लोगो के 6 डिजाइन शॉर्ट लिस्ट हुए थे, जिनमें से एक सभी को पसंद आया, लेकिन इसमें कुछ बदलाव होने बाकी हैं। इस पर फैसला अगली मीटिंग में होगा। यह मीटिंग होटल ग्रैंड हयात में हुई। मीटिंग में प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि जैसे-जैसे इंडिया मजबूत होगा तो उसके सदस्यों पर छापे और गिरफ्तारियां भी बढ़ेंगी। बैठक के पहले दिन 31 अगस्त को 28 दलों के नेता शामिल हुए थे। इन्होंने कहा था कि वे देश और संविधान को बचाने के लिए साथ आए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, विपक्षी गठबंधन की बैठक में आज लोगो लॉन्च हो जाना था लेकिन मीटिंग के दौरान जो डिजाइन दिखाया गया, वह लेफ्ट पार्टी को पसंद नहीं आया। इसके साथ ही कुछ अन्य दलों ने भी डिजाइन में बदलाव के सुझाव दिए। इसी वजह से लोगो के अनावरण का कार्यक्रम टाल दिया गया। अब जब लोगो के डिजाइन में बदलाव कर दिए जाएंगे और इसपर सबकी सहमति होगी तब इसका अनावरण किया जाएगा।

> इंडिया का जीतना जरूरी है। गठबंधन को जिताने के लिए ही हम सब इस मंच पर बैठे हैं। हम हर राज्य की राजधानी में जाएंगे और मीटिंग करेंगे : मल्लिकार्जुन खड़गे
>
> देश की एकता व संप्रभुता को मजबूत करना ही समय की मांग है हम लोगों ने संकल्प लिया है कि मोदी को हटाकर ही दम लेंगे : लालू यादव

इंडिया गठबंधन की अगली बैठक के स्थल को लेकर एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि अगली बैठक दिल्ली में होगी। इस दौरान जब पत्रकार ने उनसे तारीखों के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि आप इसे कब आयोजित करना चाहते हैं, हम इसे उन तारीखों पर आयोजित करेंगे।

विपक्ष एक होगा तो भाजपा का जीतना असंभव : राहुल

राहुल गांधी ने कहा कि हमने इस बैठक में हमने कुछ बड़े स्टेप लिए हैं जो भी पार्टी इस इंडिया में है वो भाजपा को हराने के लिए यहां है। इस मंच पर जो दल हैं वो देश की 60 फीसदी जनका की प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि अब सीट बंटवारे पर चर्चा होगी। विपक्ष एक होगा तो भाजपा का जीतना असंभव होगा। विकास में हम किसान गरीबों को साथ लेकर चलेंगे। केंद्र सरकार भ्रष्टाचार के केंद में है और पीएम मोदी का एक कारोबारी के साथ गठजोड़ है जिसका नाम सब जानते हैं। इडिंया गठबंधन भाजपा और उसके भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ेगा। मुझे विश्वास है कि इंडिया गठबंधन भाजपा को हराएगा और यहां मौजूद सभी नेता मतभेद भुलाकर एकसाथ हुए हैं। चीन को लेकर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि मैं लद्दाख गया था और पेंगोंग लेक भी गया था। लद्दाख में चीन ने कब्जा कर लिया है ये मैंने देखा है। लद्दाख का हर एक आदमी जानता है केंद्र सरकार क्या कर रही है। आगे कहा कि पीएम मोदी जी-20 करा रहे हैं भारत की इज्जत का मामला है अदाणी मामले पर पीएम को जांच करनी चाहिए नहीं कराएंगे तो देश को पता लग जाएगा कि क्यों नहीं करा रहे हैं। भाजपा भारत के गरीब लोंगों से धन छीनकर कुछ अमीर लोगों को देती है।

एक देश एक चुनाव पर केंद्र का बड़ा कदम

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में बनाई समिति

नई दिल्ली, देशबन्धु। एक देश-एक चुनाव के प्रपोजल पर कानूनी पहलुओं की जांच के लिए केंद्र सरकार ने शुक्रवार को एक कमेटी बना दी। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को इसका अध्यक्ष बनाया गया है। इसका नोटिफिकेशन जल्द जारी हो सकता है। केंद्र सरकार ने 18 सितम्बर से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि सरकार इस सेशन के दौरान एक देश एक चुनाव पर बिल ला सकती है। केंद्र की बनाई कमेटी एक देश एक चुनाव के प्रस्ताव से जुड़े कानूनी पहलुओं पर गौर करने के साथ ही आम लोगों की राय भी लेगी। इस बीच, भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा शुक्रवार को कोविंद से मिलने उनके आवास पर पहुंचे। हालांकि, इस मुलाकात के बारे में दोनों की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है।

> प्रस्ताव से जुड़े कानूनी पहलुओं पर आम लोगों की ली जाएगी राय

सूत्रों के अनुसार एक देश एक चुनाव को लागू करने से केंद्र में बैठी सरकार के दल को फायदा संभव है। ऐसा हुआ तो जिस दल की केंद्र में सरकार है वो ही अन्य राज्यों में भी सरकार बना सकती है. इस परंपरा के शुरू होने से छोटे दलों को हो सकता है नुकसान। साथ ही इसके लागू होने के बाद चुनावी नतीजों में हो सकती है देरी। सबसे बड़ा सवाल ये है कि अगर अपना कार्यकाल पूरा करने से पहले ही गिर जाए तो ऐसे में क्या किया जाएगा। सूत्रों का मानना है कि इसके लागू होने से संवैधानिक, राजनीतिक, ढांचागत चुनौतियां बढ़ेंगी। साथ ही साथ विधानसभा, लोकसभा का एक दिन का कार्यकाल बढ़ाने पर संवैधानिक संशोधन जरूरी होगा। राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल भंग होने पर संवैधानिक व्यवस्था करने का सवाल। विधानसभा का कार्यकाल घटाने या बढ़ाने पर सर्वसम्मति कैसे बना पाएगी सरकार, ये भी एक बड़ा सवाल है। सरकार को संवैधानिक संशोधन को पहले लोकसभा और बाद में राज्यसभा से पारित कराना होगा। इसे लागू कराने के लिए केंद्र सरकार को कम से कम 15 राज्यों की विधानसभाओं से इस प्रस्ताव को अनुमोदित कराना होगा।

आदित्य एल-1 की लॉन्चिंग की उल्टी गिनती शुरू

सूरज का अध्ययन करेगी आदित्य एल-1 सैटेलाइट

बेंगलुरु, एजेंसी। इसरो का सूर्य मिशन आदित्य-एल-1 लॉन्चिंग के लिए तैयार है। लॉन्चिंग की लगभग सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और अगर सब कुछ सही रहा तो शनिवार दो सितंबर को सुबह करीब 11.50 बजे आदित्य-एल-1 को लॉन्च कर दिया जाएगा। भारत के पहले सौर मिशन की लॉन्चिंग से पहले इसरो के वैज्ञानिकों ने भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया।

इसरो के वैज्ञानिकों की एक टीम शुक्रवार को आदित्य-एल1 के एक छोटे मॉडल के साथ आंध्र प्रदेश स्थित तिरुमाला श्री वेंकटेश्वर मंदिर दर्शन करने पहुंचे। आदित्य-एल1 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्पेस पोर्ट से लॉन्च किया जाएगा। इसरो के पहले सौर मिशन से पहले भारतीय अंतरिक्ष संगठन के चीफ एस सोमनाथ भगवान का आशीर्वाद लेने मंदिर पहुंचे। एस सोमनाथ ने तिरुपति जिले के चेंगालम्मा परमेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना की और मिशन की सफलता के लिए प्रार्थना की। पूजा अर्चना के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आदित्य एल1 की उल्टी गिनती शुरू हो गई है और इसे कल सुबह करीब 11.50 बजे लॉन्च किया जाएगा। आदित्य एल-1 सैटेलाइट सूरज का अध्ययन करेगी। एल1 पॉइंट तक पहुंचने में इसे 125 दिन का समय लगेगा। यह एक अहम मिशन है। अभी तक हमने चंद्रयान-4 मिशन को लेकर फैसला नहीं किया है और जल्द ही इसका एलान किया जाएगा। आदित्य-एल1 के बाद हमारा अगला लॉन्च गगनयान होगा, जो अक्तूबर के पहले हफ्ते में होगा।

4 महीने का लगेगा समय

आदित्य एल-1 को लैग्रेजियन पॉइंट 1 के होलो ऑर्बिट में स्थापित किया जाएगा। यह पॉइंट पृथ्वी से करीब 15 लाख किलोमीटर दूर है और यहां से बिना किसी परेशानी के सूरज पर नजर रखी जा सकती है। आदित्य एल1 को पृथ्वी और सूर्य के बीच मौजूद इस लैग्रेजियन पॉइंट पर पहुंचने में करीब चार महीने का वक्त लगेगा। सूरज की गतिविधियों के अंतरिक्ष के मौसम पर पड़ने वाले असर का भी अध्ययन किया जाएगा।

मणिपुर में बीते 3 दिन में 8 और मौतें

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर एक बार फिर सुलग उठा है। चुराचांदपुर और बिष्णुपुर जिलों के बॉर्डर पर बफर जोन में 29 अगस्त से शुरू हुई हिंसा अब भी जारी है। पिछले तीन दिन में 8 लोगों की मौत हो चुकी है। हिंसा में 18 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। आदिवासी संगठन आईटीएलएफ ने चुराचांदपुर में बंद का ऐलान किया है। आर्मी का कहना है कि महिला संगठन उन्हें हिंसाग्रस्त इलाकों में आगे जाने नहीं दे रहे हैं। उधर, सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र और मणिपुर सरकार को हिंसा प्रभावितों तक भोजन, दवाएं और बुनियादी सामान पहुंचाने का निर्देश दिया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने सरकार से अलग-अलग संगठनों की नाकेबंदी से खुद निपटने को कहा। साथ ही ऑप्शन के तौर पर प्रभावित इलाकों में राशन की एयर ड्रॉपिंग की सलाह दी। मामले की अगली सुनवाई 6 सितंबर को होगी।

> चुराचांदपुर में बंद का किया ऐलान

पिछले दिनों भड़की हिंसा में कुकी गायक की मौत

खोइरनटक, चिंगपेई, खोशुबंग और नारायनसेना में मैतेई और कुकी हमलावरों के बीच गुरुवार को हिंसक झड़प हुई। इस दौरान मोर्टार हमलों और फायरिंग में पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मणिपुर के चर्चित कुकी गायक मंगबोई लुंगडिम भी हैं, जिन्होंने मई में हिंसा भड़कने के बाद 'आई गम हिलौ हैम' (क्या यह हमारी भूमि नहीं) गीत लिखा और गाया था। हिंसाग्रस्त चुराचांदपुर और बिष्णुपुर में आर्मी को तैनात किया गया है। अभी यहां के बफर जोन में सीआरपीएफ और असम राइफल्स तैनात थी।

34 YEARS OF ACADEMIC EXCELLENCE

SHOBHIT DEEMED TO BE UNIVERSITY
Shobhit Institute of Engineering & Technology
NAAC A

M.Sc. ADMISSION NOTICE 2023-24
Master of Science - 2 Years

We are a Research-intensive, Multi-disciplinary University that values high-quality teaching in a milieu of globally competitive, high-end research. The University is proud to announce industry oriented M.Sc. programs for the academic session 2023-24.

Our M.Sc. programs offer a unique blend of theoretical knowledge and practical skills, preparing students to excel in their chosen fields and contribute meaningfully to the scientific community.

PROGRAMS OFFERED:

- M.Sc. Biotechnology
- M.Sc. Bioinformatics
- M.Sc. Biomedical Science
- M.Sc. Blockchain Technology
- M.Sc. Clinical Research
- M.Sc. Cyber Security
- M.Sc. Data Science
- M.Sc. Geo-informatics
- M.Sc. Intellectual Property Rights
- M.Sc. Mathematics
- M.Sc. Medical Physics
- M.Sc. Microbiology

Each program has 20 seats available, ensuring a personalized learning experience and fostering close relationships between students and faculty members.
Admission on the basis of CUET-PG 2023 / Academic Merit

Why to choose Shobhit University for M.Sc. Programs

Interdisciplinary Research Thrust Areas
We are committed to advancing interdisciplinary research across various domains. Our research areas encompass molecular target identification, immunology, nanomedicine, mushroom technology, anti-microbial studies of phytochemicals, and more. We foster collaboration between faculty and students to create impactful projects.

Recognitions and Accreditations
Acknowledged as a Scientific and Industrial Research Organization (SIRO) by the Min. of Science and Technology, Govt of India, Shobhit University stands as a recognized institution in the field. This recognition underscores our dedication to scientific and industrial research.

Seed Money for Research and Consultancy Work
We empower our faculty and students to drive research and consultancy initiatives by offering seed funding and incentives. This approach not only supports faculty research endeavors but also fuels the generation of novel knowledge and innovations.

Industry-Oriented Programs
In alignment with our commitment to producing graduates well-prepared for the professional world, our programs are designed with a strong industry orientation. By incorporating real-world case studies, practical projects, and industry collaborations, we ensure that our students acquire the skills and knowledge needed to excel in their chosen fields.

Spot Admission Counseling [02nd - 15th Sept 2023; Time: 10am - 4pm; Venue: Outreach Cell, University Campus]

Documents Required for Counseling
- Original High School, Intermediate, Graduation marksheets, and degree certificate with one self attested copy of each.
- Valid Identity proof with one self attested copy.
- Three Passport size photographs.

To apply online visit: admission.shobhituniversity.ac.in

Important Note:
- Please ensure that the Admission Application Form is filled in offline/ online mode before attending the counseling.
- To confirm Admission, an amount of Rs.10000/- shall be deposited through Cash/Online/Demand Draft on allotment of seat, which shall be adjusted in the academic fee.

SHOBHIT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY
[NAAC 'A' Grade Accredited Deemed to-be University]
Campus: NH-58, Modipuram, Meerut, Delhi NCR | www.shobhituniversity.ac.in
8755087739 / 9870265521
SCAN TO APPLY

सुप्रीम कोर्ट का फैसला : अवैध शादी में जन्मी संतान वैध

- माता-पिता की अर्जित-पैतृक संपत्ति पर अधिकार
- ऐसे मामलों में बेटियां भी हकदार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी अवैध शादी से जन्मी संतान का उनके माता-पिता की अर्जित और पैतृक प्रॉपर्टी में अधिकार होगा। ऐसे मामलों में बेटियां भी प्रॉपर्टी में बराबर की हकदार होंगी। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि अवैध शादी से जन्मे बच्चे वैध होते हैं। माता-पिता की संपत्ति पर उनका उतना ही अधिकार है, जितना की वैध शादी में दंपती के बच्चे का होता है।

संयुक्त हिंदू परिवार पर ही लागू होगा कोर्ट का फैसला

हिंदू मैरिज एक्ट, 1955 के तहत किसी शादी को दो आधार पर अमान्य माना जाता है- एक शादी के दिन से ही और दूसरा जिसे अदालत डिक्री देकर अमान्य घोषित कर दे। हिंदू सक्सेशन लॉ के आधार पर अमान्य शादियों में जन्मी संतान माता-पिता की संपत्ति पर दावा कर सकते हैं।

हालांकि, कोर्ट ने यह भी कहा कि उनका यह फैसला केवल हिंदू मिताक्षरा कानून के तहत ज्वाइंट हिंदू फैमिली की संपत्तियों पर ही लागू होगा। बता दें कि अगर कोई शादीशुदा व्यक्ति अपने पति या पत्नी के जिंदा रहते, बिना तलाक के दूसरी शादी करता है तो ऐसी शादी को शून्य माना जाता है। वहीं जिस विवाह में किसी एक पक्ष द्वारा इसे रद्द करने का अनुरोध किया गया हो तो उसे शून्यकरणीय विवाह कहते हैं। शून्य विवाह को हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 11 के तहत निपटाया जाता है। वहीं शून्यकरणीय विवाह को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 12 के तहत निपटाया जाता है।

साल 2011 की याचिका पर आया फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला 2011 में दायर एक याचिका पर सुनाया, जिसमें हिंदू विवाह अधिनियम, धारा 16(3) को चुनौती दी गई थी। इस एक्ट के तहत अवैध शादी से पैदा हुए बच्चे केवल अपने माता-पिता की संपत्ति के हकदार हैं। माता-पिता की पैतृक का किसी दूसरी संपत्ति पर उनका अधिकार नहीं होता।

सार-समाचार

सिविल अस्पताल खुरई में ब्लड बैंक संचालन हेतु प्राप्त हुआ लाइसेंस

सागर, देशबन्धु। मंत्री भूपेंद्र सिंह के अथक प्रयासों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में खुरई को एक और उपलब्धि मिली है। उपलब्धि में राष्ट्रीय स्तर से सिविल अस्पताल खुरई में ब्लड बैंक के संचालन हेतु लाइसेंस दे दिया गया है। इसके पूर्व सिविल अस्पताल खुरई में ब्लड स्टोरेज सेन्टर संचालित था जिसमें ब्लड की आवश्यकता होने पर जिला चिकित्सालय सागर से ब्लड मंगाकर जरूरतमंद को रक्त की कमी वाले मरीजों को चढ़ाया जाता था। खुरई बीएमओ शेखर श्रीवास्तव ने बताया है कि ब्लड बैंक में उपयोग होने वाले आवश्यक मशीनरी व उपकरण भी उपलब्ध हो चुके हैं। ब्लड बैंक की यूनिट निर्माण एवं मशीनरी व आवश्यक उपकरणों की लागत लगभग सवा करोड़ रूपए है। इस यूनिट का निर्माण कार्य भी पूर्ण हो चुका है। सिविल अस्पताल खुरई में उक्त सेवा प्रारंभ होने के बाद मरीजों को समय पर पर्याप्त मात्रा में ब्लड की उपलब्धता बनी रहेगी। खुरई विधानसभा को मिली इस बड़ी उपब्धि पर क्षेत्र के भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने मंत्री भूपेन्द्र सिंह का आभार प्रकट किया।

एकल अभियान की बहनों ने पुलिस थाने में मनाया रक्षाबंधन पर्व

राहतगढ़, देशबन्धु। एकल अभियान मंच ने पुलिस थाने में एसडीओपी योगेंद्रसिंह सहित अधिकारियों एवं पुलिस स्टाफ को राखी बांधकर रक्षाबंधन पर्व मनाया। इस मौके पर एकल अभियान की आचार्य बहने लक्ष्मी अवस्थी, वंदना कुर्मी, कौशल्या साहू, ज्योति कुशवाहा, ज्योति यादव, शिवानी पाराशर, मुस्कान लोधी, कौशल किशोर कन्हौआ सहित मंच प्रमुख राहतगढ़ एवं सभी आचार्य भाई-बहिन उपस्थित रहे।

बरोदिया नोनागिर की घटना को लेकर तहसीलदार को दिया ज्ञापन

केसली, देशबन्धु। खुरई विधानसभा में बरोदिया मैं जो निंदनीय घटना घटित हुई है। घटना को लेकर केसली तहसीलदार संगम पटले को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौपा, ज्ञापन में बताया कि दलित समाज के 18 वर्षीय युवक की मार मार कर निर्मम हत्या कर दी गई है और उसे बचाने जब उसकी मां पहुंची तो उसके के साथ अत्याचार किया, भीड़ में निर्वस्त्र कर दिया गया। ऐसे अपराधियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए और जो मुख्यमंत्री ने अपराधियों के मकान तोड़ने की मुहिम चलाई है वहा भी उन अपराधियों के घर तोड़े जाएं और उसके वाले परिवार को एक करोड रुपए की राहत राशि उनके एक सदस्य के लिए सरकारी नौकरी और पक्का मकान दिया जाए आत्मरक्षा के लिए एक शास्त्र लाइसेंस प्रदान किया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों हरिश्चंद्र लोधी, गुड्डू अमोदा, अध्यक्ष राष्ट्रीय युवा कार्यवाहक अखिल भारतीय लोधी लोधा राजपूत महासभा, जयस जिला अध्यक्ष रजत दीवान, शिवा अहिरवार विधानसभा अध्यक्ष भीम आर्मी देवरी, कामता सूर्यवंशी, अरविंद लोधी पटना, अर्चना अहिरवार सहित सैकड़ो की संख्या में एससी, एसटी, ओबीसी एवं भीम आर्मी संगठनों के लोग उपस्थित रहे।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए निकाली रैली

बिलहरा, देशबन्धु। नगर परिषद बिलहरा मे मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली नगर परिषद कार्यालय से प्रारंभ होकर क्षेत्र के मुख्य मार्ग से होते हुए नगर परिषद कार्यालय में समापन हुआ। मतदान जागरूकता रैली के दौरान मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मतदान हमारा अधिकार है इससे कोई वंचित न रहे आदि नारे लगाए। कार्यक्रम में नप. अध्यक्ष कमलेश रानी, रमेश चढ़ार, उपाध्यक्ष नीतू इंदिराज सिंह दांगी, सीएमओ रमेश कुमार खटीक, इंजी. सुनील कुमार खेमरिया, अनुज मिश्रा, श्रीराम यादव सहित नगर परिषद बिलहरा के सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्थाई वारंटी को गिया गिरफ्तार

बीना, देशबन्धु। एक ही वारंटी के विरुद्ध दो स्थाई वारंट विभिन्न न्यायालयों द्वारा जारी किए गए थे। पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी के मार्ग दर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीना डॉ. संजीव उईके एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बीना प्रशांत सिंह सुमन के निर्देशन में की गई कार्यवाही में वर्ष 2015 एवं वर्ष 2016 के प्रकरणों में फरार स्थाई वारंटी अनिल पिता जीवनलाल मिश्रा उम्र 35 साल निवासी 214/40 तेली बांधा थाना तेली बांधा तहसील व जिला रायपुर छत्तीसगढ हाल निवासी बिलगैया वार्ड बीना जो करीब 2 वर्ष से उपरोक्त प्रकरणों में फरार चल रहा था। जिसे शुक्रवार को मुखविर की सूचना प्राप्त होने पर सूचना सत्यापन कर उपरोक्त वारंटी की तलाश हेतु टीम रवाना की गई जो खिमलासा रोड तहसील के सामने उक्त वारंट को दस्तयाब किया बाद में विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बीना निरीक्षक भरत सिंह ठाकर, कमल सिंह, लोकेन्द्र, मुकुल, सतेन्द्र, सतीश, भूपेश एवं जगदीश की सराहनीय भूमिका रही।

पटवारियों की हड़ताल का पांचवा दिन

मुंडन संस्कार कराया, सुंदर कांड पाठ होगा हड़ताल से किसानो, छात्रो के रुके काम

शाहगढ़, देशबन्धु। तीन दिन के सामूहिक अवकाश के बाद 28 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गए पटवारियों का शाहगढ़ तहसील मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन पांचवें दिन भी जारी रहा। पटवारियों ने सिर मुड़वाकर कर अपनी मांगों को पूरा करने की बात कही वहीं, तहसील भर के 35 पटवारियों के साथ समूचे मप्र से 19 हजार से अधिक पटवारी हड़ताल पर गए हैं। हड़ताल से जातिप्रमाण पत्र, ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट, पीएम व सीएम किसान गिरदावरी जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियां ठप पड़ गई हैं। विभिन्न योजनाओं के तहत छात्रवृत्ति के लिए जाति प्रमाण पत्र अनिवार्य है, जिसके लिए इन दिनों तहसील कार्यालय में कई आवेदक पहुंच रहे हैं, लेकिन पटवारियों की हड़ताल से ये प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहे हैं। पटवारी संघ अध्यक्ष मौन सिंह ठाकुर ने बताया कि कल से तहसील स्थित परिसर में सुंदरकांड व हनुमान चालीसा पाठ किया जाएगा। गौरतलब है कि समयमान वेतनमान, भत्तों में बढ़ोतरी और कार्य के दौरान कई तरह की सुविधाएं पाने की मांग को लेकर पटवारी छह दिनों से हड़ताल पर हैं। पटवारियों ने बताया कि लंबे समय से मांगें मुख्यमंत्री द्वारा पूरी नहीं की जा रही है। वहीं कुछ माह पूर्व तहसीलदार, नायब तहसीलदार व आरआई के पदों को डिप्टी कलेक्टर तक पदोन्नत कर दिया गया है, लेकिन प्रशासन की रीढ़ की हड्डी कहे जाने वाले पटवारियों के साथ भेदभाव की रणनीति अपनाई जा रही है। सीमांकन और बंटांकन के लिए दी गई मशीनरी

और मोबाइल भी पुराने हो चुके हैं, जिस कारण काम में देरी हो रही है। संघ द्वारा कई सालों से शासन को ज्ञापन सौंपकर इसकी जानकारी दी जा रही है, लेकिन इसके बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

जेपी कंपनी से उत्पन्न हुई समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर किसानों ने नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा, कहा कि 15 दिन बाद करेंगे खेतों की जुताई

बीना, देशबन्धु। जेपी पावर प्लांट कंपनी से उत्पन्न समस्याओं के विरोध में शुक्रवार को किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष राजा भाई दांगी ने बताया कि चार शिविर आयोजित होने के बावजूद भी अभी तक सभी किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। जिसके कारण किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी के अधिकारी केवल दस्तावेज जमा करने में लगे हुए हैं, लेकिन धरातल स्तर पर किसानों के लिए कोई फायदा नहीं हो रहा है। उन्होंने बताया कि जेपी रिफाइनरी के कारण आस-पास के ग्रामीणों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बेतवा नदी स्थानीय लोगों की जीवन दायिनी नदी है। कंपनी से इस पर बैराज ब्रिज का निर्माण किया है। जेपी कंपनी द्वारा अपना अवशिष्ट केमिकल युक्त पानी छोड़ा जाता है। इस कारण से नदी में बहने वाले सैकड़ों जलचर जीव जंतुओं एवं मछलियों की मौत हो जाती है। जिससे महामारी फैलने की संभावना बढ़ जाती है। इस संबंध में शिकायत की गई है लेकिन इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। किसानों ने बताया कि जेपी कंपनी के आस-पास की जो भूमि है, उसमें कोयले की धूल उड़ती है जिस कारण से आसपास की फसलें पूरी तरीके से नष्ट हो जाती है। कंपनी से निकले अपशिष्ट पदार्थों की राख और हवा आसपास के क्षेत्र में फैलती है। जिससे जल वायु में प्रदषण हो रहा है। इससे विभिन्न प्रकार की बीमारी फैल रही है। कंपनी का केमिकल युक्त दूषित पानी छोड़ा जाता है। इससे आसपास की उपजाऊ कृषि भूमि की उर्वरक क्षमता कम होती जा रही है। दूषित पानी से फसलें नष्ट हो जाती है। शासन और जेपी प्रबंधन के मध्य हुए अनुबंध के नियमानुसार संबंधित किसान परिवारों के सदस्यों को स्थायी नौकरी रोजगार प्रदान नहीं किया है। इन किसान परिवारों के सदस्यों को स्थायी रोजगार दिया जाना चाहिए। जिला उपाध्यक्ष राजा भाई दांगी ने बताया कि जेपी कंपनी ने अभी 4 शिविर आयोजित किए हैं। इनमें किसानों से खाली दस्तावेज दिए जा रहे हैं, लेकिन किसानों के हाथों कुछ नहीं लग रहा है। पिछले डेढ़ महीने में केवल 19 लोगों को नौकरी दी गई हैं। जबकि प्रशासन ने 1 महीने के अंदर 40 नौकरी दिलवाने का वादा किया था। हम लोग लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन के माध्यम से अपनी बात रख रहे हैं। साथ ही प्रदर्शन के माध्यम से भी अपना विरोध जता रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हो रही है। 15 दिनों के अंदर किसानों की सभी मांगों को पूरा किया जाना चाहिए। यदि जल्द ही हमारी मांगों को पूरा नहीं किया, तो 15 सितंबर के बाद सभी किसान अपनी खेतों की जुताई करना शुरू कर देंगे।

मानसिक दुःख से बड़ा कोई दुःख नहीं हो सकताः मुनिश्री

खुरई, देशबन्धु। प्राचीन जैन मंदिर में चल रही प्रवचनमाला मुनिश्री प्रशस्तसागर ने कहा कि संसार में मानसिक दुःख से बड़ा कोई दुःख नहीं हो सकता, शारीरिक दुःख की तो दवा डाक्टर से मिल जाती है पर मानसिक दुख की दवा होना बड़ा कठिन कार्य है। मन चंगा तो कठौती में गंगा ऐसी कहावत सुनी होगी अर्थात् जिसका मन स्वस्थ्य है प्रसन्न है उसे बहुत कम में ही संतोष और सुख की प्राप्ति हो जाती है। अगर मन में कोई रोग है अर्थात् मानसिक विकार हो काम, क्रोध या वासना हो तो कभी भी सुख का अनुभव नहीं कर सकता। हमने अपने जीवन में जो भी पाया और जो भी खोया है वो अपने ही कर्मों से खोया है और कर्म से ही पाया है। हम यहां जो जैसे और जितने हैं उस सबकी जिम्मेदारी हमारी अपनी और हमारे अर्न किये गये कर्मों की है। सिर्फ कर्मों की जिम्मेदारी हो ऐसा नहीं कर रहा हूं। क्योंकि यदि सिर्फ कर्मों की जिम्मेदारी हो तो ऐसा लगेगा कि दूसरे के कर्मों से भी हमें अपने जीवन में सुख दुख मिलेगा, दूसरे के किये गये कर्म हमारे जीवन में प्रभाव तो डाल सकते हैं, पर हमारे जीवन के निर्माण में तो हमारे किये कर्म ही कारण बनते हैं। हमें अच्छा शरीर मिला है या कि नहीं मिला है, हमें अच्छी वाणी मिली है या कि नहीं मिली है, हमें अच्छा मन मिला है या कि मन की विकलता है। हमारे शरीर का रूपरंग अच्छा है या बुरा है। हम जहां-जहां जाते हैं वहां सम्मान मिलता है या अपमान मिलता है, हमारा यश फैलता है या कि अपयश फैलता है। हम इन सब बातों के लिये स्वयं निर्धारित करते हैं हम जैसे कर्म वर्तमान में करते हैं उससे ये सारी चीजें निर्धारित होती है।

सभी विभाग द्वारा किए जा रहे निर्माणों को समय-सीमा में पूर्ण करें: कलेक्टर

सागर, देशबन्धु। जिले के सभी निर्माण भवन के निर्माण संबंधी समीक्षा करते हुए कलेक्टर दीपक आर्य ने निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने अपने निर्माण कार्यों को समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें, जिससे उनकी लागत न बढ़ पाए और निर्धारित लागत में ही कार्य पूर्ण हो सके। मप्र गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि प्रस्तावित नवीन जेल का कार्य शीघ्रता से करें, जिससे कि निर्माण कार्य प्रारंभ हो सके। नियुक्त किए गए वास्तुविद से सतत संपर्क में रहें और लेआउट कराया जा सके। उन्होंने हाउसिंग बोर्ड के द्वारा किये जा रहे उच्च शिक्षा विभाग, आईटीआई, आदिम जाति कल्याण विभाग, आयुष विभाग, अटल आश्रय योजना के कार्य शीघ्रता से करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग पीआईयू की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में विभाग के द्वारा जो 52 कार्य स्वीकृत हैं, उनमें से 33 कार्य निर्माणाधीन हैं। इन सभी का कार्य शीघ्रता से करें। जो कार्य निविदा स्तर पर एवं अप्रारंभ है, उनको प्रारंभ करने के लिए कार्रवाई करें। पीआईओ विभाग के द्वारा जो जिले में 52 कार्य कराए जाने हैं, उनमें से जो कार्य प्रगतिरत है एवं 17 कार्य निविदा स्तर पर है एवं दो कार्य प्रारंभ है कि समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जो कार्य भी निविदा स्तर पर एवं शुरू नहीं हुए है, उनका कार्य प्रारंभ कराएं। स्वास्थ्य विभाग के 19, अनुसूचित जाति विभाग के दो, जेल विभाग के दो, विधि एवं विधायी विभाग के 9, राजस्व विभाग के 13, उच्च शिक्षा विभाग के पांच, कौशल विकास और चिकित्सा शिक्षा का एक-एक कार्य समय सीमा में पूर्ण करें। सेतु निर्माण विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में कुल 31 कार्य स्वीकृत हैं, जिनमें से 15 कार्य प्रगतिरत हैं। शेष कार्य को प्रारंभ करने के लिए तत्काल कार्रवाई करें। कहीं कोई आपत्ति या कहीं भू अर्जन से संबंधित कोई प्रकरण लंबित है तो इसका प्रतिवेदन तत्काल प्रस्तुत करें, जिससे कि कार्यक्रम कराए जा सकें। मकरोनिया से झांसी रोड तरफ जाने वाली रजाखेड़ी के पास बन रहे आरओबी का कार्य शीघ्र पूर्ण एवं आवागमन प्रारंभ करने के निर्देश दिए। सड़क विकास निगम विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि सागर, रहली मार्ग का उन्नयन चौड़ीकरण का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करें। सागर शहर में मकरोनिया चौराहे पर दो लाइन फ्लाईओवर के संबंध में कहा कि एमपीआरडीसी द्वारा उक्त निर्माण हेतु निविदा प्रक्रिया मुख्यालय से प्रचलित है लगातार मानिटरिंग की जावे।

आयुष्मान स्वास्थ्य मेला आयोजित

मकरोनिया, देशबन्धु। आयुष्मान भवः अभियान के अंतर्गत मकरोनिया के शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आयुष्मान स्वास्थ्य मेला का शुभारंभ मिहीलाल अहिरवार अध्यक्ष नपा मकरोनिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय संचालक, स्वा. सेवायें डॉ. ज्योति चौहान एवं सीएमएचओ डॉ. ममता तिमोरी, डॉ. अंकित जैन, संभागीय नोडल अधिकारी आयुष्मान स्वास्थ्य मेला, डॉ. सी. स्टीफन प्रभारी शहरी सामु. स्वा. केन्द्र तथा चिकित्सक स्टॉफ एवं जनप्रतिनिधि, गणमान नागरिक उपस्थित रहे। सीएमएचओ डॉ. ममता तिमोरी ने बताया कि आयुष्मान स्वास्थ्य मेला में बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज, जिला चिकित्सालय के विशेषज्ञ चिकित्सक, शहरी सामु. स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सक एवं स्टॉफ उपस्थित होकर हितग्राहियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, जांच व उपचार सेवायें दी। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जेएस धाकड़ आयुष्मान भारत योजना के नोडल अधिकारी ने बताया कि स्वास्थ्य मेला में बुखार के 33, उल्टी-दस्त के 3, शुगर वीपी के 5, डॉग बाइट के 5, सर्दी खांसी के 12, चोट के 8, गर्भवती महिला 12, आंख के 6 अन्य 79 मरीजों के स्वास्थ्य परीक्षण, जांच एवं उपचार किया गया। 23 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड भी बनाये गये।

सामान्य भविष्य निधि अदालत 12 से 14 सितम्बर तक

सागर, देशबन्धु। शासकीय कर्मचारियों के भविष्य निधि खातों से संबंधित समस्याओं के निवारण के लिये महालेखाकार लेखा एवं हकदारी द्वितीय द्वारा 12 से 14 सितम्बर तक सामान्य भविष्य निधि अदालत का आयोजन विंध्याचल भवन भोपाल में किया जा रहा है।

अवैध शराब बिक्री को लेकर थाना प्रभारी को मुख्यमंत्री, राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा

गौरझामर, देशबन्धु। नगर एवं आसपास के गांव में धड़ल्ले से बिक रही अवैध शराब से बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर ग्राम वासियो में भारी असंतोष व्याप्त है, इसी सिलसिले में अखंड नारी जागृति समिति गौरझामर की महिला सदस्यों ने गौरझामर में जगह-जगह बिकने वाली अवैध शराब बिक्री में नवयुवकों के शामिल होने पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए विरोध स्वरूप एक सितंबर को राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन जुलूस के रूप में पुलिस थाना गौरझामर आकर थाना प्रभारी बृजमोहन कुशवाहा को ज्ञापन सौपा जिसमें मांग की गई की जगह-जगह बिक रही अवैध शराब तत्काल बंद की जावे एवं जिस जगह का लाइसेंस दिया गया है। केवल शराब उसी दुकान पर विक्रय की जावे इसके अलावा अन्य स्थानों पर विक्रय की जाने वाली अवैध शराब को तत्काल प्रभाव से बंद किया जावे जिससे गांव का शांतिपूर्ण माहौल को बिगड़ने से रोका जा सके अखंड नारी जागृति समिति गौरझामर ने विगत रक्षाबंधन के दिन गौरझामर में हुई एक दर्दनाक घटना को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है जिसमें अवैध शराब की कारोबार में लिप्त बच्चों द्वारा किए गए प्राण घातक हमले में हुए घायल युवक को लेकर, इसमें मुख्य कारण अवैध शराब को बताया गया है जो बेहद चिंताजनक और निंदनीय है अवैध शराब को लेकर इस प्रकार की घटना न हो इसके लिए शासन प्रशासन को चेतावनी दी गई है कि वह अपने कर्तव्य के प्रति सजग रहकर, गौरझामर एवं आसपास के गांव में धड़ल्ले से बिक रही अवैध शराब बेचने वालों पर सख्त से सख्त कार्यवाही करें तथा पुलिस को आगे आकर ऐसे बच्चो को शराब बिक्री में जाने से रोकना चाहिए जो अवैध शराब के कारोबार में लिप्त हैं अखंड नारी जागृति समिति गौरझामर के अलावा ग्राम वासियों ने भी शराब बिक्री पर शक्ति से रोक लगाने की मांग पुलिस प्रशासन आबकारी विभाग से की है जिससे ग्राम में शांति का माहौल और कानून व्यवस्था बनी रहे। इस दौरान अध्यक्ष अर्चना लोधी, अनिता शर्मा, विनीता उपाध्याय, मीना प्रजापति, रजनी विश्वकर्मा, अंजलि, माया रैकवार आदि महिलाएं व पुरुष शामिल रहे।

बरोदियाकलां दो वार्डों में मंत्री प्रतिनिधि ने भ्रमण किया

बरोदियाकलां, देशबन्धु। मंत्री प्रतिनिधि लखन सिंह ने बरोदियाकलां नगर परिषद के दो वार्डों में भ्रमण कर लोगों से जनसंपर्क किया। उमरई एवं खैरा वार्ड में जनसंपर्क कर लोगों की समस्याओं को जाना। दोनों वार्डों में मंत्री भूपेन्द्र सिंह द्वारा कराए गए विकास कार्यों का निरीक्षण भी किया। मंत्री प्रतिनिधि के समक्ष लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं, जिनके त्वरित निराकरण हेतु नगर परिषद के सीएमओ एवं अन्य अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। स्थानीय लोगों की मांग पर उमरई में सीसी रोड, देवी मंदिर में छोटी हाईमास्ट लाईट लगाने का आवश्वासन दिया। वहीं खैरा में मंदिर के यहां रेलिंग व गेट, गलियों में सीसी रोड, चबूतरा निर्माण, लाईट की केविल व स्ट्रीट लाईट, कुआं में फब्बारा सहित अनेक कार्यों के करने का आश्वासन दिया। उन्होंने वार्ड में राशन की समस्या से संबंधित समस्या को लेकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। वार्ड भ्रमण के दौरान रक्षाबंधन के पर्व पर वार्ड में बहनों ने मंत्री प्रतिनिधि को राखी भी बांधी। हरिराम सेन के प्रधानमंत्री आवास का गृहप्रवेश भी कराया। इस अवसर पर सीएमओ अशरफ खान, अनंत सिंह, प्रेम सिंह, सुल्तान सिंह, दयाराम चौरसिया सहित संबंधित वार्डों के पार्षद एवं जनप्रतिनिधि सहित स्थानीय लोग उपस्थित थे।

खुरई की घटना के विरोध में भीम आर्मी एवं अहिरवार समाज ने पैदल मार्च निकाला

बण्डा, देशबन्धु। जिले की खुरई विधानसभा अंतर्गत बरोदिया नोनागिर ग्राम में हाल में हुई अनुसूचित जाति के युवक नितिन अहिरवार की जघन्य हत्या के विरोध में बण्डा की अहिरवार समाज एवं भीम आर्मी के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को बण्डा नगर में संजय कालोनी से बडी संख्या में पैदल मार्च निकाला गया। बाबा साहेब के अनुयायियों द्वारा अपराध में शामिल सभी आरोपियों के मकान जमींदोज करने एवं सम्पत्ति कुर्क करने, साथ ही मृतक परिवार के एक सदस्य को शासकीय सेवा में नियुक्ति देने और 25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता की मांग की गई। पैदल मार्च नगर के प्रमुख मार्गों से होकर बाबा साहेब की प्रतिमा स्थल पर पहुंचा जहां सभी ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और बाबा साहेब के अनुयाई सरकार विरोधी नारे लगा रहे थे तथा पीड़ित परिवार के लिए न्याय की मांग करते हुए अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय पहुंचे जहां पर राज्यपाल के नाम अनुविभागीय अधिकारी बण्डा को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन का वाचन करते हुए एड. पुष्पेन्द्र अहिरवार ने मौजूदा सरकार पर निशाना साधा। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में अहिरवार समाज व भीम आर्मी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

शाहगढ़, देशबन्धु। अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता मंच के मप्र सचिव एड. इंद्र कुमार जैन के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम शाहगढ़ तहसीलदार जीसी राय को एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट एवं विभिन्न मांगों को लेकर साथी अधिवक्ताओं सहित ज्ञापन सौंपा। मंच के अधिवक्ताओं ने बताया कि उनकी छह प्रमुख मांगें हैं, जो लंबित हैं। इसमें अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने, मृत्यु दावा राशि 10 लाख रुपये करने व सामूहिक जीवन बीमा लागू करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। उन्होंने बताया कि अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करना बेहद जरूरी है। पूर्व में भी इस अधिनियम की मांग को लेकर ज्ञापन सौंप चुके हैं। इसके बाद भी अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया गया। ज्ञापन के दौरान जल्द से जल्द मांग पूरी किए जाने का निवेदन किया है।

कबीरधाम में सरस कवि सम्मेलन संपन्न, रे मन चल गांव की छैया रुख तरे जहां बसत महादेव धर के रूप: डॉ. गजाधर सागर

सागर, देशबन्धु। अखिल भारतीय साहित्य सृजन मंच एवं कबीर ट्रस्ट के तत्वाधान में सदगुरु कबीर धाम मंदिर परकोटा में सरस आध्यात्मिक धार्मिक कवि सम्मेलन का भव्य एवं दिव्य आयोजन हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कबीर दर्शन आचार्य डॉ. रामजीवन शास्त्री साहेब, अध्यक्ष डॉ. गजाधर सागर, विशिष्ट अतिथि हरगोविंद विश्व, साहित्यकार आचार्य पं. महेश दत्त त्रिपाठी ने सर्वप्रथम सदगुरु कबीर साहेब के समक्ष दीप प्रज्वलित किया। मंच संचालन शायर आदर्श दुबे ने किया गजलकार अरुण दुबे ने सबसे बड़ा अमीर मुझे आज मिल गया रास्ते में एक कबीर मुझे आज मिल गया कत, नलिन जैन ने परकोटा कबीर की गादी कटन पहाड़ी नजर बाग के रानी लक्ष्मी हुई बलिदानी राष्ट्रपति पुरस्कार शिक्षक टीकाराम त्रिपाठी रूद्र ने कबीर का कृतज्ञ है राष्ट्र का कण-कण, यही मानता रखते जन गण मुकेश तिवारी ने हरी सजनी तुम प्रेम न जानी पी आर मलैया ने मैं चाहता हूं मेरा देश विश्व में प्रगति करें पंजाब नेशनल

बैंक के प्रबंधक नजर द्विवेदी ने गजल गलतफहमी जो पैदा हो तो रिस्ता टूट जाता है अगर रिश्ते बचे भी तो भरोसा टूट जाता है वृंदावन राय सरल ने सदगुरु कबीर को समर्पित रचना मुश्किलों में मुस्कुराना चाहिए यह हुनर हम सबको आना चाहिए आदर्श दुबे ने एक चेहरा घुमा में रहता है बादलों के जहां में रहता है हरगोविंद विश्व ने चंद्रयान पर केंद्रित कविता एवं पं. महेश दत्त त्रिपाठी ने अपने काव्य ग्रंथ से सौंधी माटी की चर्चित रचना मनुष्य की वह भावना ही प्रेम है जो असीमित अनंत आकाश में विद्यमान है डॉ. गजाधर सागर ने बुंदेली रचना रे मन चल गांव की छैया रुख तरे जह बसंत महादेव धरके रूप बटइ एवं आचार्य डॉ. रामजीवन शास्त्री साहेब ने ब्रह्म एक पहचान लिया दुविधा पकड़े से क्या मतलब ब्राह्मण छत्री वैश्य शूद्र उनके झगड़े से क्या मतलब, पूरन सिंह राजपूत ने एक समय जब चार नयन थे दिल क्या थी दिलगिरी सुनाई डॉ. आशीष ज्योतषी ने पिताजी ईमानदार थे सुना कर मंत्र मुग्ध किया कबीर ट्रस्ट के अध्यक्ष आचार्य कत रामजीवन शास्त्री साहेब ने कहा कबीर को समझने के लिए उनका मूल साहित्य साखी शबद रमैनी को पढ़ना जरूरी है कबीर मानवतावादी संवेदना के स्वरूप थे प्रभात कटारे ने कान्हा कान्हा कहने से बस कृष्णा नहीं बन पाओगे रचना सुनआई इस सरस कवि सम्मेलन में सभी कवियों को अंग वस्त्र कबीर साहित्य डायरी पेन भेंट कर सम्मानित किया गया आभार आचार्य पं. महेश दत्त त्रिपाठी ने माना।

प्रसूति गृह में पदस्थ महिला चिकित्सक छुट्टी पर, परेशान हो रहीं गर्भवती महिलाएं

- अस्पताल प्रशासन ने नहीं की कोई वैकल्पिक व्यवस्था, सिविल अस्पताल में टाइम से नहीं पहुंच रहे डॉक्टर

नौगांव, देशबन्धु। शहर में स्थित सिविल अस्पताल में नगरीय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले सैकड़ों मरीजों को अस्पताल में समय से डॉक्टर ना मिलने से रोजाना परेशान होना पड़ रहा है। तो वहीं प्रसूति गृह में पदस्थ महिला चिकित्सक के छुट्टी पर होने के बावजूद अस्पताल प्रबंधन के द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था न करने के कारण गर्भवती महिलाओं को इलाज के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

शहर सहित मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे 50 गांव की लगभग 1.5 लाख आबादी नगर में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर स्वास्थ्य लाभ के लिए आश्रित है। जिसमें रोजाना नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों से लगभग 300 से अधिक मरीज अपना इलाज कराने आते हैं। शहर उत्तर प्रदेश की सीमा से सटा होने के कारण उत्तर प्रदेश के ग्रामीण भी अस्पताल में अधिकांश की संख्या में इलाज कराने आते हैं। लेकिन उन्हें हताशा तब होती है जब अस्पताल में सुबह से कोई भी डॉक्टर ड्यूटी पर मौजूद नहीं मिलता। मरीज और उनके परिजनों को इलाज के लिए घंटों डॉक्टर का इन्तजार करना पड़ता है। घंटों इन्तेजार करने के बाद तब कहीं जाकर भगवान् रूपी डॉक्टर के दर्शन होते हैं। वैसे तो अस्पताल खुलने का समय सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहता है। लेकिन डॉक्टर अस्पताल खुलने के एक घंटे बाद और बंद होने के एक घंटे पहले ही चले जाते हैं। पिछले कई दिनों से भास्कर को ऐसी शिकायतें लगातार मिल रही थी जिस पर शुक्रवार की सुबह देशबन्धु संवाददाता ने अस्पताल पहुंचकर मरीजों को होने वाली समस्याओं की हकीकत जानी। इस दौरान अपस्ताल में शुक्रवार की दोपहर 11 बजे डॉक्टर सौरभ मिश्रा एवं डॉक्टर निकिता पाठक मिश्रा इलाज करती मिली तो वहीं अन्य डॉक्टर नदारद मिले।

डॉक्टर सौरभ मिश्रा एवं डॉक्टर निकिता पाठक मिश्रा के पास तकरीबन 100 से अधिक मरीज इलाज के लिए लाइन लगाए खड़े थे एवं उन्हें घेरे हुए थे, बाकी के डॉक्टर ड्यूटी से नदारद मिले। अन्य डॉक्टरों के चैम्बर खाली पड़े थे। तो वहीं कई मरीज डॉक्टर के इन्तजार में बैठे थे लेकिन

डॉक्टर साहब का कोई पता नहीं था। अस्पताल में एक ही डॉक्टर मिलने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को इलाज के लिए घंटों इन्तजार करना पड़ता है।

अस्पताल में सिंग्रावन गांव से अपने पिता का इलाज कराने आये रामदीन अहिरवार ने बताया की अस्पताल में एक ही डॉक्टर होने से एक घंटे से ज्यादा समय हो गया है भीड़ ज्यादा होने के कारण अभी तक नम्बर नहीं आ सका। इसी तरह नैगुंवा गांव से अपनी बेटी का इलाज कराने आये मूलचंद श्रीवास ने बताया की वह काफी देर से यहां आये हैं लेकिन अभी तक मेरी बेटी का इलाज करने नहीं हो सका। ऐसे ही एक दो नहीं दर्जनों लोग अपना या अपने परिजनों का इलाज कराने अस्पताल में डॉक्टर का इन्तजार करते मिले। इसके बाद साढ़े ग्यारह बजे के लगभग बीएमओ डॉक्टर रविंद्र पटेल हॉस्पिटल पहुंचे तो उन्होंने ओपीडी सहित अस्पताल का निरीक्षण न करते हुए सीधे अपने कार्यालय चले गए।

ओपीडी में 400 से अधिक मरीज

पिछले दिनों बारिश रुकने के बाद मौसम बदल गया है। मौसम बदलने से दिन में गर्मी और उमस बढ़ गई है। उमस बढ़ने से अस्पताल में मरीजों को संख्या बढ़ गई है। जिसके चलते शुक्रवार को अस्पताल में ओपीडी में लगभग 500 मरीज इलाज कराने पहुंचे। जिसमें वायरल फीवर, प्लेटलेट घटने के ज्यादा मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं।

अस्पताल में स्थित प्रसूति गृह केंद्र में पदस्थ डॉक्टर प्रियंका चौहान पिछले कई दिनों से छुट्टी पर हैं। जिसके चलते प्रसूति गृह में शुक्रवार को कोई डॉक्टर नहीं मिला। प्रसूति गृह में डॉक्टर न मिलने से केंद्र में इलाज कराने आई गर्भवती महिलाएं परेशान होती दिखीं। जिसके चलते प्रसूति केंद्र में डॉक्टर न मिलने से परेशान गर्भवती महिलाएं इलाज कराने के लिए ओपीडी में पहुंच गई। ओपीडी में ड्यूटी कर रही डॉक्टर निकिता पाठक मिश्रा के पास चंद्रपुरा गांव की एक गर्भवती महिला इलाज कराने के लिए आई तो डॉक्टर निकिता ने गर्भवती महिला का इलाज करने से इंकार करते हुए प्रसूति गृह केंद्र में ही दिखाने के लिए बोल दिया। लेकिन प्रसूति केंद्र में डॉक्टर न होने से गर्भवती महिला और उसके परिजन इलाज के लिए परेशान होते रहे।

इनका कहना है

प्रसूति केंद्र की डॉक्टर प्रियंका चौहान छुट्टी के होने के कारण उनके स्थान पर अन्य महिला डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई गई है। महिला डॉक्टर केंद्र में इलाज कर रही हैं, अस्पताल में भी डॉक्टर ड्यूटी करते हैं, मौसम बदलने के कारण अस्पताल में मरीज बढ़ रहे हैं, जिस कारण कुछ समस्या हो रही है।

डॉक्टर रविंद्र पटेल, सीबीएमओ, ब्लॉक नौगांव

सार समाचार

लाठी-डंडों से पीटकर युवक को किया अधमरा

छतरपुर, देशबन्धु। गौरिहार थाना क्षेत्र के ग्राम रेवना में एक युवक के साथ गांव के ही कुछ लोगों ने अज्ञात कारणों के चलते लाठी-डंडों से मारपीट कर दी। घायल युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। घायल महेन्द्र पुत्र मूरत सिंह उम्र 32 वर्ष के परिजन बसंत सिंह ने बताया कि बीती शाम 5 बजे महेन्द्र अपने घर के पास ही था तभी गांव के पूरन सिंह ठाकुर और कृष्णभान सिंह ठाकुर ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी और तब तक पीटते रहे जब तक कि महेन्द्र मरणासन्न स्थिति में नहीं पहुंच गया। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग निकले। परिजन तत्काल घायल को लेकर स्थानीय अस्पताल पहुंचे जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल जिला अस्पताल में महेन्द्र का इलाज जारी है।

दबंगों ने कर दी बुजुर्ग की मारपीट

छतरपुर, देशबन्धु। ओरछा रोड थाना क्षेत्र के ग्राम देवपुर में मामूली कहा सुनी के बाद गांव के दबंगों द्वारा बुजुर्ग अहिरवार दंपत्ति के साथ बुरी तरह मारपीट की गई। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक देवपुर निवासी बुजुर्ग छन्नू अहिरवार और उसकी पत्नी ललतीबाई अहिरवार की गांव के ठाकुरदास से किसी बात को लेकर मामूली कहा-सुनी हो गई थी जिसके बाद ठाकुरदास ने अपने लगभग एक दर्जन साथियों के साथ बुजुर्ग दंपत्ति के घर जाकर लाठी-डंडों से उन्हें बुरी तरह पीट दिया। चीख-पुकार सुनकर मोहल्ले के लोगों ने बुजुर्गों को बचाया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से भाग निकले। मोहल्ले के लोग निजी वाहनों से घायल अहिरवार दंपत्ति को जिला अस्पताल लाए जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता

जीतें या न जीतें पर सीखकर जरूर जाएंगे : कलेक्टर

- बच्चों ने वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने का दिया संदेश
- 10 खेल संभागों के 19 एवं 14 वर्ष के बालक बालिका कबड्डी और फुटबाल टीम का हिस्सा

छतरपुर, देशबन्धु। 67वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता का कलेक्टर संदीप जी.आर. ने दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। छतरपुर शहर के एक्सीलेंस स्कूल के खेल मैदान में 5 दिवसीय क्रीड़ा प्रतियोगिता जिसमें कबड्डी एवं फुटबॉल (बालक-बालिका) का आयोजन किया गया है, जिसमें प्रदेश के 10 खेल संभागों सागर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम, आदिवासी विभाग, शहडोल एवं रीवा की बच्चों की टीम ने हिस्सा लिया है। प्रारंभ में मुख्य अतिथि श्री जी.आर. द्वारा खेल ध्वज को फहराया एवं सलामी ली और बच्चों द्वारा मार्च पास्ट किया गया एवं शपथ ली गई। समारोह की अध्यक्षता जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तपस्या परिहार द्वारा की गई।

कलेक्टर श्री जी.आर. ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा खेल को खेल की भावना और ईमानदारी से खेले। उन्होंने कहा जीतना जरूरी है पर सब कुछ नहीं, हम जीतें या नहीं जीतें पर कुछ सीखकर जरूर जाएंगे। उन्होंने कहा अच्छा खेलने वाले खिलाड़ी को अपना मित्र जरूर बनाएं। उन्होंने संभागवार सभी खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करते हुए बधाई दी।

इस अवसर पर डीपीएस स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा समूह गीत एक्सीलेंस प्रस्तुत किया गया, एक्सीलेंस स्कूल क्रमांक 1 विद्यार्थियों ने मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी, जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र कुमार कोटार्य ने अतिथियों का स्वागत किया।

लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा छतरपुर में 14 वर्ष आयु समूह में बालक एवं बालिका वर्ग की फुटबॉल तथा 19 वर्ष आयु समूह में बालक एवं बालिका वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई है, राज्य स्तरीय इस प्रतियोगिता में सभी 10 संभाग के लगभग 600 खिलाड़ी सम्मिलित हो रहे हैं।

पीटीआई जितेंद्र सिंह ने बताया कि शुक्रवार को स्टेडियम में संपन्न 14 वर्ष आयु समूह की फुटबॉल बालक प्रतियोगिता में भोपाल संभाग ने शहडोल संभाग को 4-1 से पराजित किया, इसी आयु समूह की बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता में उज्जैन में ग्वालियर को 2-1 से पराजित किया।

हमले के लिए दी सुपारी, एसपी से हुई शिकायत

छतरपुर, देशबन्धु। गोयरा थाना क्षेत्र के ग्राम कुरधना निवासी एक युवक ने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन देकर बताया कि उसके ऊपर गांव के ही एक व्यक्ति ने सुपारी देकर जानलेवा हमला कराया है। इस मामले में थाना पुलिस द्वारा कार्यवाही नहीं की जा रही है, इसलिए वह एसपी के पास आया है।

शिकायतकर्ता वीरू पुत्र लाला भैया विश्वकर्मा निवासी कुरधना का कहना है कि करीब 3 वर्ष पूर्व कोरोना काल में गांव के कुंजा पाल द्वारा उसकी मां को परेशान किया जा रहा था और इसी बात को लेकर उसका तथा कुंजा पाल का विवाद हो गया था। उस वक्त कुंजा पाल की रिपोर्ट पर पुलिस ने उसके विरुद्ध मारपीट का मामला दर्ज किया था। इसी बुराई के चलते कुंजा उसे जान से मारने की फिराक में है। वीरू के मुताबिक पिछले दिनों कुंजा पाल ने गांव के जगना पाल को 3 लाख रुपए की सुपारी देकर उसे जान से मारने के लिए कहा जिस पर जगना पाल ने कुल्हाड़ी से उस पर जानलेवा हमला किया। गनीमत रही कि उसकी जान बच गई लेकिन हमले में वह बुरी तरह घायल हुआ है। वीरू का कहना है कि वह मामले की रिपोर्ट लिखाने गोयरा थाना गया था लेकिन पुलिस ने उसकी शिकायत नहीं ली। एसपी को आवेदन देकर वीरू ने मामले की जांच कराने और आरोपियों पर कार्यवाही कराने की मांग की है।

पानी न देने पर शराबी ने कर दी मारपीट

छतरपुर, देशबन्धु। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ग्राम गठेवरा में एक शराबी द्वारा कुशवाहा दंपत्ति के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। मारपीट में घायल दंपत्ति का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। घायलों का कहना है कि गांव का एक शराबी उसके घर पहुंचा और शराब में मिलाने के लिए पानी मांगने लगा। जब कुशवाहा दंपत्ति ने पानी देने से मना किया तो शराबी नाराज हो गया और उसने डंडे से दोनों को पीटना शुरू कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से भाग निकला था। वहीं घायलों को थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई और इसके बाद उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पॉलिटेक्निक अतिथि विद्वान संघ ने किया हड़ताल का ऐलान

छतरपुर, देशबन्धु। पॉलिटेक्निक अतिथि विद्वान संघ मध्यप्रदेश की जिला इकाई ने शुक्रवार को कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर 400 रुपए कालखण्ड में कार्यरत पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग अतिथि व्याख्याताओं को 12 माह फिक्स मानदेय एवं 65 वर्ष स्थायित्व की घोषणा किए जाने की मांग को लेकर हड़ताल पर जाने की सूचना दी है। उनका कहना है कि मप्र शासन के तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा एक विभाग में दो अलग-अलग वेतनमान दिए जा रहे हैं जो कि गलत है।

ज्ञापन सौंपने पहुंचे संघ के सदस्य महेन्द्र साहू ने बताया कि मप्र शासन के तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग से सम्बद्ध 69 पॉलीटैक्निक एवं 5 इंजीनियरिंग कॉलेज में 20 वर्षों से कार्यरत लगभग एक हजार अतिथि व्याख्याता, विद्वान एआईसीटीई नियमानुसार अर्हता रखते हुए शैक्षणिक,

परीक्षा, मूल्यांकन, प्रवेश प्रक्रिया, रैंगिंग कमेटी, मेंटर, निर्वाचन सहित अन्य कार्य कर रहे हैं।

27 जनवरी 2022 को विभाग द्वारा जारी किए एक आदेश में नए अतिथि व्याख्याताओं को 30 हजार रुपए का फिक्स मानदेय देने की बात कही गई है कि जबकि वर्षो से कार्यरत कर्मचारी 11 माह की अनुबंधात्मक नियुक्ति प्राप्त अनुभवरत वरिष्ठ अतिथि व्याख्याताओं को 400 रुपए प्रति लेक्चर मानदेय दिया जा रहा है। पॉलिटैक्निक अतिथि विद्वान संघ द्वारा एक समान वेतनमान दिए जाने, वर्तमान में कार्यरत अतिथि व्याख्याताओं का 65 वर्ष की आयु सीमा तक स्थायित्व दिए जाने, महिला अतिथि व्याख्याताओं को सवैतनिक मातृत्व अवकाश प्रदान किए जाने, भविष्य होने वाली नियमित भर्ती में 50 प्रतिशत पद अतिथि व्याख्याताओं के लिए आरक्षित किए जाने, फॉलेन आउट अतिथि व्याख्याताओं को शीघ्र ही पुनः नियुक्त कर विभागीय कार्य कराने की मांग की जा रही है। इस संदर्भ में संघ शीघ्र ही महापंचायत का आयोजन करने जा रहा है और इसी के साथ ही पॉलिटैक्निक अतिथि विद्वान संघ द्वारा संपूर्ण प्रदेश में हड़ताल भी प्रारंभ की गई है।

कट्टा दिखाकर दशहत फैला रहे युवक को पुलिस ने दबोचा

हरपालपुर, देशबन्धु। बीते रोज थाना पुलिस ने नगर के रेल्वे स्टेशन के नेहरू गेट के पास से एक युवक को देशी कट्टा और दो कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि युवक खुलेआम नेहरू गेट के पास कट्टा दिखाकर दहशत फैला रहा था। इस मामले की जानकारी मिलने के बाद थाना प्रभारी राकेश साहू ने एसआई अजय शाक्य और आरक्षक मनोज कुमार को कार्यवाही के लिए भेजा। दोनों पुलिसकर्मियों ने रात करीब दस बजे के संबंधित स्थान पर दबिश देकर युवक को दबोच लिया। युवक के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 25/27 के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया और इसके बाद उसे जेल भेज दिया गया।

वृक्ष लगाकर पानी का लेबल बढ़ाने पर जोर

छतरपुर, देशबन्धु। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा बुंदेलखंड की आर्थिक स्थिति, नवीन संभावनाएँ विषय पर एडऑन शॉर्टटर्म कोर्स के नवमें दिन के मुख्यवक्ता डॉ सत्येंद्र कुमार मिश्रा, विभागाध्यक्ष विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन ने अपने व्याख्यान में कहा कि बुंदेलखंड मे पानी की बहुत बड़ी समस्या है। जल प्रबंधन एवं मृदा के कटाव को रोक करके अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर पानी के लेवल को बढ़ाया जा सकता है। यहां के तालाबों से अधिकांश ग्रामीण क्षेत्र में सिंचाई की जाती है। इसके अलावा नदियों से भी सिंचाई की जाती है। केन, बेतवा, धसान यहां की प्रमुख नदियां हैं केन बेतवा लिंक परियोजना प्रारंभ हो जाने से यहां का अधिकांश क्षेत्र सिंचित हो जाएगा जिससे कृषकों की आय में वृद्धि होगी। यहां अधिकांश क्षेत्र में सिंचाई होगी और यहां के सीमांत एवं छोटे कृषकों के पलायन को रोका जा सकेगा। व्याख्यान में अनेक प्राध्यापक, छात्र छात्राएं उपस्थित रहे एवं अनेक छात्र व्याख्यान से ऑनलाइन भी जुड़े रहे।

डॉ सीताराम अहिरवार का भी हुआ व्याख्यान : एडऑन शॉर्ट टर्म कोर्स के 10 वें दिन के मुख्य वक्ता डॉ सीताराम अहिरवार ने स्व सहायता समूह द्वारा बुंदेलखंड की महिलाओं का आर्थिक सुधार संभव है, विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड मे समूह द्वारा महिलाओं का समावेशी, सामाजिक, आर्थिक विकास किया जा सकता है। बुंदेलखंड में अनेक स्वसहायता समूह विद्यालयों में मिड डे मील संचालित कर रहे हैं, जिससे महिलाओं को आर्थिक रूप से लाभ हो रहा है। छतरपुर जिले में 2501 स्व सहायता समूह कार्य कर रहे हैं जिसमें से 29944 परिवार जुड़े हुए हैं। कोविड-19 के समय में स्व सहायता समूह ने संपूर्ण बुंदेलखंड में मास्क बनाने एवं मरीज की देखभाल में अपना पूरा सहयोग किया था।

अभी मप्र सरकार ने स्कूलों में विद्यार्थियों की ड्रेस बनाने के लिए स्व सहायता समूह को ही कार्य दिया है, जिससे वे आर्थिक रूप से संपन्न हो सके। स्व सहायता समूह द्वारा स्वालंबन योजना, सक्षम योजना, मिशन शक्ति योजना, महिला जागृति, उज्ज्वल गृह योजना संचालित हैं। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. शुभा तिवारी ने छात्रों से संवाद किया और उन्हें प्रोत्साहित किया जिससे विद्यार्थियों को उनसे बहुत प्रेरणा और खुशी मिली।

हिंदी अध्ययन शाला द्वारा राष्ट्रीय कविता लेखन पर हुई कार्यशाला

कविता मानव को जोड़ने वाली एक शक्ति है : कुलपति

छतरपुर, देशबन्धु। *महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर में 1 सितंबर 2023 को कुलपति प्रो शुभा तिवारी की अध्यक्षता में दो दिवसीय राष्ट्रीय कविता लेखन कार्यशाला का भव्य शुभारंभ विश्वविद्यालय सभागार हुआ। उद्घाटन अवसर पर वरिष्ठ कवि एवं अनुवादक प्रो. मणि मोहन मेहता विदिशा, कलासंकायाध्यक्ष प्रो जे पी शाक्य, हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो पुष्पा दुबे मंचस्थ रहीं।*

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो शोभा तिवारी ने कहा हम सभी कार्य पूर्ण तनमयता के साथ करें। मेरी कविता ईश्वर प्रेम व स्वयं के भीतर झांकने वाली कविता है। कविता मानव को जोड़ने वाली एक शक्ति है। मुख्य अतिथि प्रो मणि मोहन मेहता ने कहा हमें अपने अंदर के शिक्षक को बचाए रखना चाहिए। जीवन भर हम सीखते रहते हैं। साहित्य, संगीत और कल जब समाज से कटने लगते हैं, तो समाज में बहुत से विध्वंस होने लगते हैं। साहित्य, संस्कृति और संगीत से हमें बच्चों को जोड़ना चाहिए, जिससे हम समाज को अवसाद निराशा एवं तनाव को दूर कर पाएंगे।

प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. गायत्री बाजपेई ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा मनुष्य के गुणों में गुणवत्ता का निर्वाह होना चाहिए। कविता का प्रमुख प्रयोजन आनंद है। सहृदय होने के लिए हृदय का मुक्त होना आवश्यक है। शब्द विधान कविता का मुख्य अंग होता है। कविता हृदय के भाव को जाग्रत करती है। कविता पाठकों से संवाद करती है। भाव पक्ष में विचार, बुद्धि अनुभूति एवं कल्पना का समावेश होता है। कविता मनुष्य के हृदय को विभिन्न अंगों को प्रफुल्लित करती है। इस सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. जसवीर त्यागी जी ऑनलाइन माध्यम से सभी कविता प्रेमियों से जुड़े। कविता के मार्मिक तथा संवेदना जैसे विषयों पर बात रखते हुए उन्होंने कहा की कविता जीवन का एक मुख्य अंग है। कविता समाज सुधार एवं पारिवारिक जीवन को संतुलित और सुसंस्कृत करने का काम करती है। उन्होंने कहा कि कविता जीवन की आशा को हर हाल में पूर्ण करने वाली रचना होती है। कविता समाज की कड़वी सच्चाई को कहती है। इसके द्वारा प्रकृति के सुनहरे दृश्यों की परिकल्पना की गई है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के रचनात्मक प्रश्नों के जवाब भी मुख्य वक्ता प्रो. जसवीर त्यागी जी ने दिए। इस सत्र के विद्वजनों के प्रति आभार व्यक्त किया विभाग के सह. प्राध्यापक डॉक्टर के एल पटेल ने।

द्वितीय तकनीकी सत्र का आयोजन वरिष्ठ कवि श्री सुरेंद्र शर्मा सुमन की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा शब्द रूपी मोतियों को भावना रूपी धागे से पिरोना ही कविता है। कविता वह नहीं है जो लिखी जाए कविता स्वयं लिख जाती है। मुख्य वक्ता प्रो मणिमोहन मेहता ने कविता की अवधारणा के विविध पक्षों पर अपनी बात रखी । कविता हर समय एक नया रूप धारण करती है वह मनुष्य के अंदर विश्वास पैदा करती है। कुछ छात्रों के सवालों के जवाब भी मुख्य वक्ता प्रो. मणिमोहन मेहता ने दिए। इस सत्र का संचालन शोधार्थी ज्योति पांडे ने किया तथा आभार व्यक्त किया विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर पुष्पा दुबे ने।

अभिमत

भारत जिस संकट का सामना कर रहा है, वह एक ऐसे नेतृत्व द्वारा लाया गया है जो न तो अंदर और न ही बाहर को समझता है और दोनों को नुकसान पहुंचा रहा है। जब ऐसे सिद्धांत प्रतिपादित किए जाते हैं कि भारत में सर्जरी का आविष्कार कैसे किया गया था या किस तरह हजारों साल पहले हमारे पास हवाई जहाज और 'पुष्पक-विमान' थे तो यह वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ न्याय नहीं करता है।

कदम चांद पर लेकिन सोच वही दकियानूसी

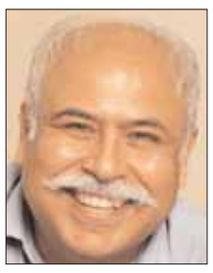

जगदीश रत्तनानी

भारत ने चंद्रमा पर अपना झंडा फहरा दिया है। भारत पहला देश है जिसने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर अपना यान उतारा है। भारत चंद्रमा की सतह पर उतरने वाला केवल चौथा देश बन गया है। जाहिर है कि राष्ट्र ने जो हासिल किया है, उससे उत्साह, गर्व और खुशी की भावना है। हमने बहुत दूर तक का सफर तय किया है। जब हम खुद से परे देखते हैं तो हम बहुत कुछ सीखते हैं लेकिन भारतीय विचार और आध्यात्मिक परंपराएं हमें सिखाती हैं कि जब हम अपने अंदर झांकते हैं तो हम और ज्यादा सीखते हैं। इसरो प्रमुख डॉ. एस सोमनाथ ने चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरने के कुछ दिनों बाद तिरुवनंतपुरम में भद्र काली मंदिर की यात्रा के दौरान इसे बहुत सहजता से कहा। उन्होंने कहा-'मैं कई मंदिरों में जाता हूं, मैं कई शास्त्रों को पढ़ता हूं। इस ब्रह्मांड में हमारे अस्तित्व और हमारी यात्रा का अर्थ खोजने की कोशिश करता हूं। मैं एक अन्वेषक हूं। मैं चंद्रमा के रहस्यों का पता लगाने का प्रयास करता हूं। मैं अंतर्मन के रहस्यों को खोजने की कोशिश करता हूं।'

अंतर्मन वह जगह है जहां हमारी सभी यात्राएं शुरू और समाप्त होती हैं। वेदांत के अग्रणी प्रतिपादकों में से एक अर्श विद्या गुरुकुलम के स्वामी दयानंद सरस्वती (1930-2015) ने भगवद् गीता की पहली पंक्ति पर विस्तार से यह सिखाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी स्वामी दयानंद सरस्वती का सम्मान करते हैं। नेत्रहीन राजा धृतराष्ट्र द्वारा संजय से यह पूछने के साथ पवित्र भगवद् गीता की शुरुआत होती है- युद्ध के मैदान में इकट्ठे हुए, लड़ने की इच्छा रखते वाले, 'मेरे लोगों' और 'पांडु पुत्रों' ने क्या किया? धृतराष्ट्र के पुत्र 'उसके लोग' हैं; उनके भाई पांडु के पुत्र 'उसके लोग' नहीं हैं, और लड़ाई यहीं से शुरू होती है। स्वामी दयानंद सरस्वती एक अनोखे तरीके और शैली में यह बात सिखाते हैं कि सभी लड़ाइयां अंदर की ओर हमारे अंतर्मन में होती हैं और हमारा शरीर और उसके कार्य कुरुक्षेत्र के युद्ध क्षेत्र का निर्माण करते हैं जहां धर्म की परीक्षा होती है।

जब बाह्य जगत में आपका गौरव हो रहा हो उस समय डॉ. सोमनाथ ऐसे दुर्लभ व्यक्ति हैं जो वैज्ञानिक पद्धति के साक्ष्य आधारित अभ्यासक हैं। उन्होंने अपने जीवन में एक ही समय में विज्ञान की खोज तथा आध्यात्मिकता विचार के लिए जगह बनाई है। अंतरिक्ष अन्वेषण में इसरो प्रमुख की शानदार उपलब्धि विज्ञान के तरीकों के लिए उनके प्यार में निहित है। वास्तव में ऐसा होना भी चाहिए। वैज्ञानिक क्रांति के पिता फ्रांसिस बेकन (1561-1626) का कहना था कि-'इसे (विज्ञान को) वर्चस्व और नियंत्रण की भाषा का उपयोग कर हमें प्रकृति पर अत्याचार कर उसे अपने रहस्य उजागर करने के लिए बाध्य करना होगा।' विज्ञान के संबंध में भारतीय धारणा इसके विपरीत है। भारतीय परंपरा प्रकृति का सम्मान करना, प्रकृति की पूजा करना और उससे सीखने का संदेश देती है।

किसी बात पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण और साधनों के बिना सोचे-समझे भरोसा करना उस पिछड़े और अंधविश्वासी विचार को सुनने तथा बढ़ावा देने का जोखिम रहता है। इसके खिलाफ जवाहरलाल नेहरू ने आवाज उठाई थी। हमारी जड़ों को फिर से खोजने के नाम पर सत्तारूढ़ अभिजात वर्ग और उनके कुछ चापलूसों ने यही दृष्टिकोण अपनाया है। दूसरी ओर, प्रकृति और उसके द्वारा हमें प्रदान की गई सभी चीजों के प्रति सम्मान के बिना आरंभ किए गए उपक्रम एक शोषक मॉडल बनने का जोखिम उठाते हैं। ऐसे उपक्रमों ने हमें एंथ्रोपोसीन और जलवायु संकट के युग में खड़ा कर दिया है जिनका आज संपूर्ण मानवता को सामना करना पड़ रहा है। यह संकट वैश्विक है और इसका जवाब विभिन्न पारिस्थितिक आंदोलनों के रूप में सामने आता है जो मानव जाति की प्रगति के विचार पर नए सवाल उठा रहे हैं। सत्तारूढ़ अभिजात वर्ग और वर्चस्व की भाषा बोलने वाले खुशामदियों के लिए ये चुनौतियां पूरी तरह से विदेशी हैं और इस प्रक्रिया में वे प्राकृतिक प्रणालियों को नष्ट कर रहे हैं। ये लोग इस उम्मीद में हैं कि भारत इसी तरह से आगे बढ़ सकता है और नई व्यवस्था में एक महाशक्ति बन सकता है।

चंद्रमा पर उतरने में सफलता ऐसे राजनीतिक दौर में मिली है जब मंदिर एक हथियार बन गया है, आध्यात्मिकता को उग्र भगवा में बदल दिया गया है और शास्त्रों को लापरवाही से उद्धृत किया जाता है या संवाद और एकता का संदेश देने के लिए प्रसिद्ध ग्रंथों को आक्रामक स्वर देने के लिए कहा जाता है। रूमी ने कहा है-'हम अपने अंदर मौजूद चमत्कारों को बाहर तलाशते हैं'। इस संदर्भ में हम तर्क दे सकते हैं कि आज राष्ट्र को तोड़ने को विभाजित करने वाले प्रयास वे विभाजन हैं जो हम अपने अंदर रखते हैं। इस जहर को नष्ट करने का सरल उपाय दोनों पक्षों को समझने का प्रयास करना है या जैसा कि इसरो प्रमुख ने कहा-'विज्ञान और आध्यात्मिकता दोनों का पता लगाना मेरे जीवन की यात्रा का एक हिस्सा है। यह उस संस्कृति का एक हिस्सा है जिसे हमने अंतरात्मा के साथ-साथ बाह्य जगत का पता लगाने के लिए बनाया है।'

कहने की जरूरत नहीं है कि आध्यात्मिकता का अर्थ धार्मिकता नहीं है। किसी भी धर्म को मानने वाला व्यक्ति या वास्तव में किसी भी धर्म को मानता नहीं है, वह किसी धाराप्रवाह मंत्रोच्चार करने वाले व्यक्ति से या उससे अधिक आध्यात्मिक हो सकता है। आध्यात्मिकता असंख्य पहलू जोड़ती है तथा गहरे आंतरिक परीक्षण को गति देती है जो समय सीमा, भौगोलिक क्षेत्रों, धार्मिक आस्थाओं की विश्वास प्रणालियों में गूंजती है और लाखों कंठों से उसका गुणगान करती है।

आज भारत जिस संकट का सामना कर रहा है, वह एक ऐसे नेतृत्व द्वारा लाया गया है जो न तो अंदर और न ही बाहर को समझता है और दोनों को नुकसान पहुंचा रहा है। जब ऐसे सिद्धांत प्रतिपादित किए जाते हैं कि भारत में सर्जरी का आविष्कार कैसे किया गया था या किस तरह हजारों साल पहले हमारे पास हवाई जहाज और 'पुष्पक-विमान' थे तो यह वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ न्याय नहीं करता है। ऐसा नजरिया तेजी से जीडीपी विकास की अपनी विवेकहीन तलाश में प्रकृति की लापरवाह और विचारहीन लूट, एक समूह को विभाजित करने और दूसरे समूह से लड़ने के लिए मजबूर करने वाली राजनीति, बढ़ती असमानता और चुनिंदा सुपर-अमीरों को प्राथमिकता देकर और भी अधिक अन्याय करता है। यदि सब कुछ दीर्घकालिक दूरदर्शी सोच के बिना तत्काल लाभ-हानि की सोच तक सीमित हो जाता है तो कोई आश्चर्य नहीं कि चांद पर भारत का अहम बड़ा कदम भी छोटी सोच से प्रभावित हो जाएगा।

यह विवाद वाजिब है कि इसरो के वैज्ञानिकों से मिलने के लिए प्रधानमंत्री बेंगलुरु कैसे गए और प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से अपनी अगवानी नहीं करने या प्रोटोकॉल के अनुसार उनके साथ (प्रधानमंत्री के साथ) आने के लिए क्यों रोक दिया?

देश को दोहरी खुशी होती यदि दो दलों के दोनों नेता साथ-साथ खड़े होते और चंद्रमा पर जाने के मिशन को संभव बनाने वाले वैज्ञानिकों को बधाई देते। स्पष्ट रूप से यह मुख्यमंत्री या उनके डिप्टी डीके शिवकुमार को 'रोकने' का कोई अवसर नहीं था। प्रधानमंत्री को पता होना चाहिए था कि 2024 के आम चुनावों और चंद्रमा मिशन की सफलता का राजनीतिक लाभ लेने की भाजपा की प्रवृत्ति को देखते हुए उनका यह स्पष्टीकरण कि वह राज्य के नेताओं को 'परेशान' नहीं करना चाहते थे, जनता की निगाह में खरा नहीं उतरेगा।

उम्मीद है कि इस प्रकरण को जल्द ही भुला दिया जाएगा क्योंकि राष्ट्र अपने वैज्ञानिकों की सफलता और उनके काम की खुशियां मनाने में व्यस्त है।

चंद्र मिशन की सफलता के क्षण में भी हम उनसे कुछ सीख सकते हैं। इसरो में किसी ने नहीं कहा कि यह 'मैंने' किया। टीम के सदस्यों को कैमरों के सामने बुलाया गया था। इसरो नेतृत्व ने सफलता का पूरा श्रेय अतीत और वर्तमान नेताओं को दिया। उन्होंने टीम भावना का प्रदर्शन किया जो मिशन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

इसरो प्रमुख के शब्दों में-'यह अकेले हमारा काम नहीं है। यह इसरो के नेतृत्व और इसरो वैज्ञानिकों की एक पीढ़ी का काम है। यही क्रमिक प्रगति है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं। सिंडिकेट : दी बिलियन प्रेस)

किसी बात पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण और साधनों के बिना सोचे-समझे भरोसा करना उस पिछड़े और अंधविश्वासी विचार को सुनने तथा बढ़ावा देने का जोखिम रहता है। इसके खिलाफ जवाहरलाल नेहरू ने आवाज उठाई थी। हमारी जड़ों को फिर से खोजने के नाम पर सत्तारूढ़ अभिजात वर्ग और उनके कुछ चापलूसों ने यही दृष्टिकोण अपनाया है। दूसरी ओर, प्रकृति और उसके द्वारा हमें प्रदान की गई सभी चीजों के प्रति सम्मान के बिना आरंभ किए गए उपक्रम एक शोषक मॉडल बनने का जोखिम उठाते हैं।

बीता सप्ताह

26 अगस्त
- मणिपुर हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाते हुए गुवाहाटी हाईकोर्ट में सुनवाई का फैसला लिया।
- चन्द्रयान-3 के रोवर ने चंद्रमा की सतह पर उतर कर 'मूनवॉक' किया।
- पूर्व डब्ल्यू डब्ल्यू ई चैम्पियन ब्रे वॉयट का 36 वर्ष की उम्र में हार्टअटैक से निधन हो गया।
- प्रधानमंत्री मोदी यूनान के शीर्ष नागरिक सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर' से सम्मानित किए गए।

27 अगस्त
- दिग्गज गीतकार देव कोहली का मुंबई में निधन हो गया।
- प्रधानमंत्री मोदी ने इसरो के वैज्ञानिकों से भेंट कर चंद्रयान-3 के चंद्रमा पर लैंडिंग पाइंट को 'शिव शक्ति' पाइंट नाम देने का ऐलान किया।
- तमिलनाडु के मदुरै में ट्रेन में आग लगने से 9 लोगों की मौत हो गई।
- नासा ने एंडेवर नामक ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर स्पेसएक्स क्रू-7 मिशन लॉन्च किया।

28 अगस्त
- भारतीय अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि सितंबर के पहले सप्ताह में प्रक्षेपित होगा आदित्य एल-1
- पश्चिम बंगाल के परगना जिले केदत्तपुकुर में फटाका फैक्ट्री में आग लग जाने से 8 लोगों मौत हो गई।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के नोआ लायल्स विश्व चैम्पियनशिप में तीसरा स्वर्ण पदक जीता।
- एशिया कप के लिए बल्लेबाज सऊद शकील पाकिस्तान की टीम में शामिल कर लिए गए।

29 अगस्त
- बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्ष के नए गठबंधन इंडिया के संयोजक बनने से किया इंकार।
- जापान का पहला चंद्रयान मॉडयूल स्मार्ट लैंडर फार इन्वेस्टिगेटिंग मून (एसएलआईएम) प्रक्षेपण का मौसम की खराबी के कारण स्थगित कर दिया।
- पाकिस्तान की एक अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को हत्या के आरोप से बरी कर दिया।
- प्रधानमंत्री मोदी ने 51 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे।

30 अगस्त
- तोशाखाना मामले में पाक के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान को इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने सजा पर रोक लगाई।
- सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए केंद्र से पूछा कि जम्मू-कश्मीर को कब तक मिलेगा राज्य का दर्जा।
- केन्द्र ने एलपीजी गैस सिलेंडर पर 200 रुपए कीमत कम कर दिया।
- चीन ने एक नया नक्शा जारी किया जिसमें अरुणाचल व अवसाह चिन को बताया अपना क्षेत्र।

31 अगस्त
- मुंबई में विपक्षी गठबंधन इंडिया की तीसरी बैठक में 28 राजनीतिक दल होंगे शामिल।
- लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन का निलंबन खत्म कर दिया गया।
- कर्नाटक सरकार ने अपने राज्य में गृह लक्ष्मी योजना शुरु की।
- मध्यप्रदेश के मुरैना में टैंक की सफाई में उतरे पांच मजदूरों की मौत हो गई।

1 सितंबर
- केंद्र सरकार ने जया वर्मा सिन्हा को भारतीय रेलवे की पहली महिला अध्यक्ष और सीईओ नियुक्त किया।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रायपुर में कहा कि -छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया कहावत में है-सदियों का सच।
- राहुल गांधी ने मुंबई में प्रेस कांफ्रेंस लेकर पीएम मोदी से किए सवाल कि देश से बाहर भेजा गया एक अरब डॉलर किसका?
- इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को क्रॉप डाक्टर 2-0 ऐप विकसित करने के लिए राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस स्वर्ण पदक पुरस्कार मिला।

गुटनिरपेक्षता से लेकर अगले सप्ताह दिल्ली में जी-20

■ डॉ. अरुण मित्रा

अगले सप्ताह दिल्ली में होने वाली जी-20 बैठक को लेकर काफी उत्साह पैदा किया जा रहा है, विशेष रूप से यह दिखाने के लिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण ही भारत को समूह की अध्यक्षता मिली है, तथा इसी का प्रचार जोर-शोर से किया जा रहा है। परन्तु मामले की सच्चाई यह है कि जी-20 में अध्यक्षता की एक चक्रीय प्रणाली है, जिसके तहत सभी सदस्य देशों को बारी-बारी से आयोजन का अवसर और अध्यक्षता और दी जाती है। दरअसल भारत पिछले साल जी-20 का अध्यक्ष बन सकता था लेकिन इसमें एक साल की देरी हो गई।

जी-20 के पास चर्चा के लिए कई एजेंडे हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक शांति और सभी के लिए स्वास्थ्य है। कई हिस्सों में चल रहे सशस्त्र संघर्षों के कारण आज दुनिया बहुत गंभीर स्थिति में है। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष इस समय सबसे गंभीर है। यूएनओ के अनुसार अब तक 3604 नागरिकों सहित 14400 से अधिक लोग मारे गये हैं। 80 लाख से अधिक लोग बाहरी रूप से विस्थापित होकर दूसरे देशों में शरणार्थी के रूप में रह रहे हैं।

> **7वें गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में भारत ने विकासशील देशों को निरस्त्रीकरण, समान विकास, मानवाधिकार, सभी के लिए स्वास्थ्य आदि एक लक्ष्य पर संगठित करने में बड़ी भूमिका निभाई थी। उन्होंने फ़िलिस्तीनियों के हितों और मानवाधिकारों के अन्य मुद्दों के समर्थन में प्रस्ताव पारित किये थे। ऐसे फैसलों के लिए स्टेट्समैनशिप की जरूरत होती है।**

मामला सिर्फ रूस और यूक्रेन के बीच नहीं रह गया है। अमेरिका और नाटो की स्पष्ट भागीदारी से चीजें बहुत आगे बढ़ गई हैं। दोनों पक्षों ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की चेतावनी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बयान जारी करने के बाद कि वह यूक्रेन को क्लस्टर हथियारों की आपूर्ति करेंगे, रूस ने चेतावनी दी है कि ऐसी स्थिति में उनके पास परमाणु हथियारों का उपयोग करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं बचेगा। यह बहुत खतरनाक स्थिति है क्योंकि इस समय उस सीमा पर कोई भी परमाणु आदान-प्रदान रूस और यूक्रेन के बीच सीमित नहीं रहेगा। यह रूस और अमेरिका और नाटो के बीच परमाणु आदान-प्रदान होगा। नवीनतम वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, इसका मतलब 5 अरब से अधिक लोगों की मृत्यु होगी जो हजारों वर्षों के मानव श्रम के माध्यम से निर्मित आधुनिक सभ्यता का अंत होगा।

आईपीपीएनडब्ल्यू और पर्यावरण समूहों द्वारा किये गये अध्ययन ने पहले ही सुबूतों के साथ दिखाया है कि उदाहरण के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच सीमित परमाणु आदान-प्रदान से भी 2 अरब से अधिक लोगों की मौत हो सकती है। लेकिन रूस और अमेरिका के बीच आदान-प्रदान कहीं अधिक विनाशकारी होगा।

इसके अलावा अफ्रीका और एशिया के विभिन्न हिस्सों में भी संघर्ष चल रहे हैं। इन आंतरिक झगड़ों को अमीर देशों के विभिन्न आर्थिक हितों के लिए किसी न किसी रूप में अंतर्राष्ट्रीय समर्थन प्राप्त है। फ़िलिस्तीन या सीरिया की स्थिति अत्यधिक मानवाधिकार उल्लंघन के उदाहरण हैं। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि जी-20 परमाणु निरस्त्रीकरण जैसे मुद्दों पर कड़ा निर्णय ले और छोटे हथियारों के प्रसार पर रोक लगाये।

हालांकि यह असंभावित लगता है क्योंकि जी-20 एक समरूप समूह नहीं है। यह बहुराष्ट्रीय निगमों और सैन्य औद्योगिक परिसरों पर हावी स्व-हित वाले देशों का एक समूह है। यह गुटनिरपेक्ष आंदोलन (नैम) के विपरीत है जिसने प्रभावी कदम उठाए और विभिन्न देशों में निरस्त्रीकरण, विकास और मानवाधिकारों के मुद्दे पर गंभीर चिंताएं उठाईं। यह सर्वविदित है कि उस समय भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। नैम की स्थापना जवाहरलाल नेहरू, मार्शल टीटो और अब्दुलगमाल नासिर की पहल पर की गई थी। नैमका 7वां शिखर सम्मेलन 1983 में दिल्ली में आयोजित किया गया था जिसमें 117 देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भाग लिया था और कई देशों के 20 पर्यवेक्षक थे।

इसके विपरीत, जी-20 एक छोटा आयोजन है लेकिन बहुत अधिक प्रचार के साथ। ऐसा लगता नहीं है कि जी-20 बैठक परमाणु हथियारों को खत्म करने के लिए एक ठोस घोषणा के साथ सामने आयेगी, जो अब 7 जुलाई 2017 को यूएनओ द्वारा पारित परमाणु हथियारों के निषेध पर बहुपक्षीय संधि (टीपीएनडब्ल्यू) के माध्यम से संभव है।

अंदर एक मजबूत लॉबी है। जी-20 ने यूएनओ में टीपीएनडब्ल्यू का विरोध किया और संयुक्त राष्ट्र महासभा के सदस्यों पर जबरदस्त दबाव डाला। ये देश निवारक के रूप में परमाणु हथियारों के सिद्धांत के नायक हैं। इसकी बहुत कम संभावना है कि जी-20 सभी के लिए स्वास्थ्य पर कोई ठोस निर्णय लेकर आयेगा जिसके लिए स्वास्थ्य देखभाल के लिए संसाधनों के समान वितरण की आवश्यकता है।

हमने देखा है कि कैसे फार्मास्युटिकल कंपनियों, विशेष रूप से वैक्सीन उत्पादक कंपनियों ने कोविड महामारी के दौरान तबाही मचाई और छोटे देशों को ब्लैकमेल किया, जिनके पास अपने दम पर वैक्सीन बनाने के लिए न तो तकनीकी जानकारी थी और न ही संसाधन। माना जाता है कि बड़ी फार्मा कंपनियों ने इस अवधि के दौरान भारी मुनाफा कमाया है। सभी के लिए स्वास्थ्य, सस्ती दवा मूल्य निर्धारण और न्यायसंगत स्वास्थ्य देखभाल पर किसी भी बातचीत के लिए, फार्मा कंपनियों को विनियमित करना होगा और उनके मुनाफे को पारदर्शी बनाना होगा।

जी-20 की गतिविधियों और विभिन्न क्षेत्रों में नतीजों पर नजर रखना अच्छा रहेगा। लेकिन अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस जैसे देश कॉर्पोरेट समर्थक विचारधारा और आर्थिक हितों वाले हैं। क्या वे हथियार छोड़ने के लिए तैयार होंगे या क्या वे विश्व व्यापार संगठन में प्रभावी बदलाव करने के लिए तैयार होंगे ताकि विकासशील देशों की सभी के लिए स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके?

7वें गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में भारत ने विकासशील देशों को निरस्त्रीकरण, समान विकास, मानवाधिकार, सभी के लिए स्वास्थ्य आदि एक लक्ष्य पर संगठित करने में बड़ी भूमिका निभाई थी। उन्होंने फ़िलिस्तीनियों के हितों और मानवाधिकारों के अन्य मुद्दों के समर्थन में प्रस्ताव पारित किये थे। ऐसे फैसलों के लिए स्टेट्समैनशिप की जरूरत होती है। वर्तमान में हमारी राजनीति में उस स्तर के राजनैतिक कौशल का अभाव है।

चांद पर 'शिवशक्ति पाइंट' : राजनीति का अंतरिक्ष

■ अमन नम्र

वर्ष 2000 में एक फिल्म आई थी 'रिफ्यूजी।' करीना कपूर और अभिषेक बच्चन के कॅरिअर की यह पहली फिल्म थी। इसमें जावेद अख्तर का लिखा एक गीत था,

'पंछी नदिया पवन के झोंके,
कोई सरहद ना इन्हें रोके
सरहदें इन्सानों के लिए हैं
सोचो तुमने और मैंने क्या पाया इन्सां हो के।'

इस गीत के लिए जावेद अख्तर को 'फिल्म फेयर अवॉर्ड' भी मिला था। आप सोच रहे होंगे कि इस जानकारी का भला इस लेख से क्या तालमेल है। दरअसल जावेद अख्तर को पंछी, नदिया, पवन के साथ राजनीति भी जोड़नी थी, तो ये लाइनें ऐसी बनतीं-'पंछी, नदिया, राजनीति, पवन के झोंके, कोई सरहद ना इन्हें रोके।'

आज तो यही बात चरितार्थ हो रही है। अब राजनीति प्रदेश, देश और धरती की सीमा पार कर चांद तक पहुंच चुकी है। इसका ताजा उदाहरण है, चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद उस प्वाइंट को 'शिवशक्ति' नाम देना। आपका सवाल हो सकता है कि भला इसमें क्या राजनीति हो सकती है। यह तो वैज्ञानिकों और देश के सम्मान के लिए एक प्रतीक के तौर पर दिया गया नाम है। इससे पहले भी 2008 में जब भारत ने पहली बार चांद पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी तो उसे 'जवाहर पॉइंट' नाम दिया गया था। जाहिर है, तब कांग्रेस की मनमोहन सरकार थी, ऐसे में देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नाम पर नामकरण किया गया। सवाल है कि क्या 'जवाहर पॉइंट' देशभक्ति थी और 'शिवशक्ति पॉइंट' राजनीति है?

जायज सवाल है, पर इसका जवाब भी इसी सवाल में दे दिया गया है। अगर 'जवाहर पॉइंट' का नामकरण भी राजनीति ही थी तो यह अच्छी राजनीति थी, क्योंकि इसी का नतीजा है कि 15 साल बाद चंद्रयान-3 चांद के उसी दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतारा गया। तो ऐसे में 'शिवशक्ति पॉइंट' के नामकरण में भला क्या आपत्ति हो सकती है? नहीं होती, अगर यही नाम ऐसे किसी पॉइंट का होता जो मानसरोवर के सामने मौजूद कैलाश पर्वत के किसी राज को खोलने के किसी वैज्ञानिक मिशन के लिए वहां के किसी स्थान के लिए रखा जाता। तब शिवशक्ति के नाम के पीछे की एक जायज वजह होती। कैलाश पर्वत पर वास करने संबंधी भगवान शिव की मान्यता के साथ इस नामकरण पर कोई भी आपत्ति खारिज की जा सकती थी।

चांद के दक्षिणी ध्रुव पर 'शिवशक्ति पाइंट' के नामकरण पर तीन आपत्तियां बताई जा सकती हैं। पहली, जिस मिशन के लिए चंद्रयान-3 को वहां भेजा गया था, उसका इस नाम से कुछ लेना-देना नहीं है। दूसरी, 'इसरो' के वैज्ञानिक जिस जिद, जुनून, जज्बे और वैज्ञानिक नजरिए के साथ यह पूरा मिशन संभाल रहे थे, उसमें धर्म वैज्ञानिकों का एक निजी विश्वास जरूर हो सकता है, लेकिन इसे मिशन के दूरदर्शी नतीजों के साथ जबरन जोड़ना कतई फायदेमंद नहीं होगा। उलटे इसके नुकसान जरूर हो सकते हैं।

इस पूरे मिशन में जितने भी वैज्ञानिक जुड़े हैं, जरूरी नहीं कि वे सारे हिंदू हों, होने भी नहीं चाहिए। ऐसे में किसी वैज्ञानिक मिशन से जुड़े ऐसे बेहद अहम पाइंट का नाम धर्म विशेष से क्यों रखा जाना चाहिए? तीसरी आपत्ति यह है कि इस नाम को 'नासा' या 'ईएसए' (यूरोपियन स्पेस एजेंसी) जैसी अंतरराष्ट्रीय स्पेस एजेंसियों को किस तरह समझाया जाएगा। आखिर किसी को कैसे बताया जाएगा कि चांद की संरचना को बेहतर ढंग से समझने और उसकी सतह पर मौजूद रासायनिक और प्राकृतिक तत्वों, मिट्टी, पानी आदि पर वैज्ञानिक प्रयोग करने के इस मिशन के बेहद अहम प्वाइंट को केवल हिंदू देवता के नाम पर क्यों रखा गया है?

और यह भी कि देश के एक हिंदूवादी संगठन के नेता का यह बयान जब वतन की सीमा पार कर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में जगह बनाएगा कि चांद को हिंदू राष्ट्र घोषित कर देना चाहिए, तब भारत किस मुंह से इस पर सफाई देगा। सच तो यह है ऐसे बयान देने वालों पर कार्रवाई न करने की स्थिति में भारत की धर्मनिरपेक्ष देश से, बीते 9 सालों में हिंदुत्व को बढ़ावा देने वाले देश की छवि और मजबूत होगी। क्या इससे खालिस वैज्ञानिक सोच और वैज्ञानिक खोज के लिए बनी 'नासा,' 'ईएसए' जैसी अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक संस्थाओं के सामने हमारा मजाक नहीं बनेगा?

अब जरा, शिवशक्ति के पीछे की राजनीति समझने की कोशिश करते हैं। अगर केंद्र सरकार का इरादा वास्तव में अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक मिशन को बढ़ावा देने का होता तो वह 'इसरो' जैसी संस्थाओं का बजट बढ़ाता, लेकिन हकीकत तो यह है कि इसी साल के बजट में सरकार ने 'इसरो' का बजट 1100 करोड़ रुपए कम कर दिया है। यानी दो चंद्रयान मिशन के बराबर की राशि। आरोप तो ये भी लग रहे हैं कि चंद्रयान-3 मिशन के लिए 'लॉन्च पैड' बनाने वाली कंपनी के कर्मचारियों को 17 महीने से वेतन नहीं मिला है। परोक्ष या प्रत्यक्ष तौर पर इससे भी चंद्रयान मिशन जैसे अभियानों से जुड़े 'इसरो' सरीखे संगठनों के आत्मविश्वास को बढ़ावा तो नहीं ही मिलता। अब जरा विदेश यात्रा से लौटकर सीधे 'इसरो' जाने और वहां वैज्ञानिकों से मिलकर प्रधानमंत्री ने जिन तीन बड़ी घोषणाओं का ऐलान किया, उन्हें देखते हैं। पहली, 23 अगस्त को हर साल भारत 'नेशनल स्पेस डे' मनाएगा। दूसरी- चांद पर लैंडर जिस जगह उतरा, वह जगह 'शिवशक्ति पॉइंट' कहलाएगी। तीसरी- चांद पर जिस जगह चंद्रयान-2 के पदचिन्ह हैं, उस पॉइंट का नाम 'तिरंगा' होगा।

इन घोषणाओं के राजनीतिक फायदे तो समझ आते हैं, पर वैज्ञानिक फायदे जानने के लिए रिसर्च की जरूरत पड़ सकती है। अगर पीएम 'इसरो' के लिए 2-4 हजार करोड़ के विशेष बजट का ऐलान कर देते, इस पूरे मिशन से जुड़े वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, स्टॉफ के लिए एक या दो महीने के वेतन के बराबर बोनस की घोषणा करते या अगले ऐसे ही मिशन के बजट में 10-15 फीसदी बढ़ोतरी की ही घोषणा कर देते तो बेहतर हो सकता था। बहरहाल, एक बात तो तय है कि भले ही सरकार ने 'इसरो' के बजट को 13,700 करोड रुपयों से घटाकर 12,543 करोड़ रुपए कर दिया हो, वह चंद्रयान मिशन-3 को 2024 के अपने राजनीतिक मिशन की कामयाबी के लिए भुनाने में किसी तरह की कोर-कसर नहीं रहने देगी। चंद्रयान-3 की सफलता पर जिस तरह बधाईयों की विज्ञापनबाजी हो रही है, उससे इसे समझा भी जा सकता है।

अब, एक बार जरा यह भी सोचकर देखें कि 'शिवशक्ति' के नामकरण का 'इसरो' के ऐसे किसी वैज्ञानिक शोध या मिशन पर क्या असर पड़ेगा? यह सोचें कि क्या इस नामकरण के बाद भी 'इसरो' से जुड़ा हर वैज्ञानिक, चाहे वह किसी भी धर्म का हो, पूरे जोश, जुनून के साथ अपने काम में जुटा रहेगा? जुटना ही चाहिए, देश को आगे ले जाने का मिशन है, पर मानव मन का क्या। क्या गैर-हिंदू वैज्ञानिकों में इस हिंदू नामकरण से कहीं-न-कहीं छोटी सी भावना आहत नहीं हुई होगी? हमें भरोसा है कि हमारे वैज्ञानिक देश की राजनीति में चल रही अवैज्ञानिक और स्वार्थी सोच से प्रभावित नहीं होंगे और देश को वैज्ञानिक सोच वाली नई राह पर ले जाने के प्रयासों में सफल होंगे। 'इसरो' चीफ एस सोमनाथ का बयान भी है कि मैं एक खोजकर्ता हूं, चंद्रमा का अन्वेषण करता हूं। विज्ञान और आध्यात्मिकता दोनों की खोज करना मेरे जीवन की यात्रा का एक हिस्सा है।

> **पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की यह बात जरूर ध्यान में रखनी चाहिए कि मनुष्य चांद पर तो पहुंच गया, लेकिन धरती पर उसे कैसे जिंदा रहना है, यह नहीं सीख पाया। हम पक्षी की तरह आकाश में उड़ सकते हैं, हम मछली की तरह सागर में तैर सकते हैं, मगर हम इंसान की तरह धरती पर नहीं चल सकते। उम्मीद है कि अब हम धरती को भी ग्लोबल वार्मिंग, युद्ध, नफरत से बचाने और इंसानों के रहने लायक बनाने के मिशन में कामयाबी की तरफ बढ़ेंगे।**

प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि हमारे प्राचीन ग्रंथों में, वेदों में, पुराणों में, स्पेस साइंस का अपार भंडार है। उसे आज के ज़माने से जोड़ने और ज्ञान के इस भंडार का उपयोग करने की ज़रूरत है। उन्होंने नौजवानों को विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में काम करने की प्रेरणा देते हुए बताया कि देश को महाशक्ति बनाने में विज्ञान बड़ी भूमिका अदा कर सकता है। यह उम्मीद की जानी चाहिए देश चांद पर चंद्रयान-3 जैसे मिशन और चांद को हिंदू राष्ट्र बनाने की घोषणा सरीखे दो परस्पर विपरीत विचारधारा वाले दोराहे पर खड़े होने के बावजूद अपने लिए वैज्ञानिक सोच और बेहतर भविष्य के लिए सही राह चुन पाएगा।

इस मौके पर देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की यह बात जरूर ध्यान में रखनी चाहिए कि मनुष्य चांद पर तो पहुंच गया, लेकिन धरती पर उसे कैसे जिंदा रहना है, यह नहीं सीख पाया। हम पक्षी की तरह आकाश में उड़ सकते हैं, हम मछली की तरह सागर में तैर सकते हैं, मगर हम इंसान की तरह धरती पर नहीं चल सकते। उम्मीद है कि अब हम धरती को भी ग्लोबल वार्मिंग, युद्ध, नफरत से बचाने और इंसानों के रहने लायक बनाने के मिशन में कामयाबी की तरफ बढ़ेंगे। ऐसा न हुआ तो सूर्य व शुक्र को लक्ष्य कर शुरू किए गए मिशन भले सफल हो जाएं, पर शायद हम न धरती बचा पाएंगे, न उसके इंसानों को।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

पानी भरने गई आदिवासी युवती की कुंए में डूबने से मौत

पन्ना, देशबन्धु। पन्ना जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत रहुनिया में एक युवती कुंआ में पानी भरते समय गिर गई और उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि रहुनिया ग्राम पंचायत अन्तर्गत बिजवारा ग्राम में नल जल योजना पीएचई विभाग के माध्मय से प्रारंभ की गई थी तथा नल कूप खनन कर मोटर डाली गई थी एवं प्लास्टिक की टंकी रख दी गई थी। लेकिन उक्त नल जल योजना कुछ ही दिनो चली और बंद हो गई। लोगो द्वारा लगातारी ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव से शिकायत की गई उसके बावजूद सुधार कार्य नही कराया गया। लोगो ने सीएम हेल्प लाईन में भी उक्त मामले की शिकायत की है लेकिन छह माह बीत जाने के बावजूद आज तक नल जल योजना चालू नही की गई। जिससे गरीब लोगो को जंगल मे दूर स्थित कुंआ से पानी भरना पडता है पानी भरने के दौरान बिजवारा ग्राम की पन्द्रह वर्षीय लडकी राजबती पानी भरते समय कुंए में गिर गई और उसकी मौत हो गई। इस संबंध में स्थानीय लोगों ने कहा कि इसके लिए पीएचई विभाग तथा ग्राम पंचायत जिम्मेवार है।

इनका कहना है

विगत छह माह से ग्राम पंचायत की नल जल योजना बंद है हम लोगो द्वारा लगातार सरपंच, सचिव से शिकायत की जा रही है तथा सीएम हेल्प लाईन मे भी शिकायत की गई, उसके बावजूद उक्त योजना में सुधार कार्य नही कराया गया, जिससे यह घटना घटित हुई है।

गया प्रसाद आदिवासी, ग्राम बिजवारा ग्राम पंचायत रूहनिया जनपद पंचायत पन्ना

उक्त नल जल योजना पीएचई विभाग के माध्यम से उपयंत्री सोनी के द्वारा ठेकेदार के माध्यम से स्थापित कराई गई थी लेकिन घटिया मोटर तथा केबिल आदि मोटर जल गई जिससे नल जल योजना बंद है, हमारे द्वारा लगातार पीएचई विभाग के उपयंत्री तथा अन्य अधिकारियों को अवगत कराया गया, उसके बावजूद सुधार कार्य नही कराया जा रहा है, जबकि विभाग का दायित्व एक वर्ष तक सुधार कार्य कराये जाने का है, ग्राम पंचायत केवल संचालन करती है, सारी जिम्मेवारी पीएचई विभाग की होती है।

हरेश पाठक, पीसीओ जनपद पंचायत पन्ना

भक्ती पर्व के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति

पन्ना, देशबन्धु। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर आगामी 7 सितम्बर को जिला मुख्यालय पर भक्ति पर्व का आयोजन किया जाएगा। भक्ति पर्व में विशेष रूप से कलाकारों द्वारा श्री कृष्ण केन्द्रित नृत्य और भजन की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। कलेक्टर हरजिंदर सिंह ने श्री जुगल किशोर मंदिर प्रांगण में भक्ति पर्व कार्यक्रम के लिए जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ अशोक चतुर्वेदी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया। इसके अलावा पुलिस अधीक्षक साईं कृष्ण एस थोटा को कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा और कानून व्यवस्था के दृष्टिगत आवश्यक पुलिस बल तैनात करने का दायित्व सौंपा गया है। जिला पंचायत के परियोजना अधिकरी संजय सिंह परिहार को जनप्रतिनिधियों के आमंत्रण पत्र वितरण और कार्यक्रम से संबंधित अन्य व्यवस्थाओं, नगर पालिका सीएमओ शशिकपूर गढ़पाले को मंदिर प्रांगण में साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था और भक्ति पर्व कार्यक्रम का लाउड स्पीकर के माध्यम से तथा प्रमुख चौराहों पर होर्डिंग, फ्लैक्स व बैनर के माध्यम से प्रचार-प्रसार और जनसंपर्क अधिकारी देवेन्द्र सिंह को समाचार पत्र एवं अन्य संचार माध्यमों से प्रचार-प्रसार का दायित्व सौंपा गया है। थाना प्रभारी यातायात ज्योति दुबे को सुचारू यात्रायात एवं पार्किंग व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

पन्ना, देशबन्धु। कलेक्टर हरजिंदर सिंह एवं पुलिस अधीक्षक साईं कृष्ण एस थोटा ने शुक्रवार को पन्ना विधानसभा अंतर्गत पन्ना एवं अजयगढ़ क्षेत्र के कई मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान रिटर्निंग अधिकारी अशोक अवस्थी, एसडीएम सत्यनारायण दर्रो सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। अधिकारीद्वय ने मतदान केन्द्रों पर पेयजल, छाया, विद्युत आपूर्ति, शौचालय सहित दिव्यांग मतदाताओं के लिए रैम्प मतदान केन्द्रों में प्रवेश व निकासी व्यवस्था को भी देखा।

मतदान केन्द्र पर मतदाताओं की संख्या की जानकारी भी ली। मतदान केन्द्रों की सफाई, रंगाई पुताई और अन्य व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। उत्तरप्रदेश की सीमा में कालिंजर मार्ग पर स्थापित रामनगर चौकी भी पहुंचे और अधिकारियों के साथ आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की। संबंधित विभाग के अधिकारियों को शांतिपूर्वक एवं निर्विघ्न वातावरण में निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन अनुसार चुनाव के दृष्टिगत आवश्यक तैयारियों के लिए कहा।

मिष्ठान दुकान पर छापामारी

छतरपुर, देशबन्धु। कलेक्टर छतरपुर संदीप जी.आर. के निर्देशन में शुक्रवार को रक्षाबंधन त्योहार के दृष्टिगत पन्ना नाका स्थित स्वीट्स पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी वंदना जैन के द्वारा छापा मार कार्यवाही की गई।

मौके पर रखी हुई मिठाइयों का औचक निरीक्षण किया गया तथा मोतीचूर के लड्डु एवं रोस्टेड पेड़ा का मिलावट की आशंका होने पर नमूना लिया गया है।

नींद में छत से गिरा युवक

छतरपुर, देशबन्धु। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ग्राम कदारी का रहने वाला घनश्याम कुशवाहा उम्र 31 वर्ष बीती रात को रोज की तरह अपने घर की छत पर सो रहा था। रात को लघुशंका के लिए जब नींद में वह नीचे उतरने लगा तो उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे जमीन पर आ गिरा। ऊंचाई से गिरने के कारण घनश्याम बुरी तरह घायल हो गया, परिजन उसे आनन-फानन में जिला अस्पताल लाए जहां उसका इलाज किया जा रहा है।

20 हजार का ईनामी अपराधी गिरफ्तार

छतरपुर, देशबन्धु। पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे हत्या के प्रयास के 20 हजार के ईनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को पुलिस ने गुरुवार देर रात बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे पर घेराबंदी करके पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी का मेडिकल कराने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया और जेल भेजने की कार्यवाही की है। एसपी के प्रतिवेदन पर जिला दण्डाधिकारी ने अब्दुल समीर पर रासुका की कार्यवाही भी की है विधानसभा चुनाव के पहले पुलिस फरार और इनामी आरोपियों पर शिकंजा कस रही है। इसी सिलसिले में लंबे समय से फरार हत्या के प्रयास के आरोपी अब्दुल समीर उर्फ भैया काटर को गिरफ्तार करने में सफलता पायी है। पुलिस ने आरोपी पर 20 हजार का ईनाम घोषित किया था। गुरुवार रात को सूचना मिली कि अब्दुल समीर बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे से होकर बांदा की ओर जा रहा है। कोतवाली पुलिस ने बुंदलेखंड एक्सप्रेस वे पर घेराबंदी की आरोपी अब्दुल समीर को दबोच लिया जिसके बाद मेडिकल करवाकर जेल भेजने की कार्यवाही को अंजाम दिया।

आम के पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

पन्ना, देशबन्धु। थाना धरमपुर अंतर्गत ग्राम खोरा के दीनदयाल का पुरवा में 22 वर्षीय युवक का शव पेड़ सें लटकता हुआ पाया गया। जिसकी जानकारी स्थानीय लोगो द्वारा धरमपुर पुलिस को दी गई। पुलिस को सूचना मिलते ही पुलिस ने घटना स्थल पंहुचकर शव को पेड़ से उतारा तथा पंचनामा उपरांत पोस्टमार्टम के लिए स्वास्थ केन्द्र अजयगढ भेजा गया।

जानकारी के अनुसार राजेश लोध पिता लालराम लोध उम्र 22 साल निवासी दीनदयाल का पुरवा ग्राम पंचायत खोरा की लाश रनकट हार किशोरा लोध के खेत में लगे आम के पेड़ में लटकती हुए मिली थी। किन कारणो के चलते युवक द्वारा फांसी लगाई गई यह कारण अभी अज्ञात है। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर मामले में विवेचना की जा रही है।

म.प्र. निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संभाग सागर भवन भूखण्ड हस्तान्तरण/नामान्तरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मण्डल कॉलोनी पं. दीनदयाल नगर सागर में स्थित भूखण्ड क्रमांक ईडब्लूएस-91 मण्डल द्वारा श्री ओमवीर सिंह पिता श्री कोमल सिंह बघेल को आवंटित किया गया था। जिसका विक्रय विलेख मण्डल द्वारा 06.06.2002 को निष्पादित कराया गया। श्री ओमवीर सिंह पिता श्री कोमल सिंह बघेल द्वारा उक्त भूखण्ड विक्रय विलेख निष्पादित दिनांक 24.08.2023 के माध्यम से श्रीमति सुनीता बाई अहिरवार पति श्री मथुरा प्रसाद अहिरवार को विक्रय किया। श्रीमति सुनीता बाई अहिरवार पति श्री मथुरा प्रसाद अहिरवार द्वारा उक्त भूखण्ड/भवन स्वयं के नाम से नामान्तरित/हस्तान्तरित कराने हेतु आवेदन/दस्तावेज/शपथ पत्र इस कार्यालय में प्रस्तुत किया गये है। यदि किसी व्यक्ति को संस्था या हित रखने वाले वैद्य व्यक्ति को हस्तान्तरण/नामान्तरण बावत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन होने से 15 दिवस के अन्दर लिखित में वैद्य आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात हस्तान्तरण/नामान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी का कोई दावा मान्य नहीं होगा।

संपत्ति अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधो. विकास मण्डल संभाग सागर

न्यायालय विवाह अधिकारी एवं अपर कलेक्टर पन्ना जिला पन्ना म.प्र.

आदेशिका क्र. 178/2023 पन्ना दिनांक 26 अगस्त 2023

सार्वजनिक उद्घोषणा

नोटिस दाता:- श्याम लाल गोस्वामी, उम्र 31 वर्ष पुत्र स्व.श्री बंदी गोस्वामी, निवासी, ग्राम चिकलहाई पोस्ट महेबा तहसील अमानगंज जिला पन्ना म.प्र.

एवं

रीता शर्मा, उम्र 18 वर्ष, पुत्री श्री रघुनन्दन शर्मा, निवासी-ग्राम सोहावल, तहसील सोहावल, जिला सतना म.प्र.

इस नोटिस के द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त नोटिस दाताओं ने विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 05 के तहत परस्पर विशेष विवाह करने हेतु सूचना पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त विवाह के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने वैध प्रतिनिधि द्वारा लिखित रुप में इस उद्घोषणा जारी होने के दिनांक से 30 दिन के अंदर इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है, समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर विधि के सम्यक अनुक्रम में सुनवाई नहीं की जाएगी।

उद्घोषणा के साथ द्वितीय अनुसूची '**आशयित विवाह की सूचना**' संलग्न कर भेजी जा रही है। उद्घोषणा का विधिवत् प्रकाशन कराया जाए एवं वाद तामील इस न्यायालय को भेजी जाए।

उद्घोषणा आज दिनांक **26 अगस्त 2023** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी की गई।

संलग्न- आशायित विवाह की सूचना

प्रकरण में सुनवाई तिथि **27 सितम्बर 2023**

अपर कलेक्टर एवं
विवाह अधिकारी , पन्ना मध्यप्रदेश

न्यायालय नजूल अधिकारी जिला सागर म.प्र.

(इश्तहार)

राजस्व प्रकरण क्रमांक 16 अ / 6 वर्ष 23-24

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदक रूपचंद पिता बक्शाराम दरयानी निवासी संतकबरराम वार्ड सागर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है, कि सागर स्थित नजूल ब्लॉक में 24 प्लाट नं 193 रकवा 1250 वर्गफुट का स्थायी पट्टा आवेदक के पिताजी बक्शाराम पिता किस्मतराय के नाम से स्वीकृत था पट्टेदार / आवेदक के पिताजी बक्शाराम पिता किस्मतराय की मृत्यु दिनांक 05.01.2020 को हो चुकी है जिनके वैध वारसानों में पत्नि नानकीबाई (फौत), पुत्र सुदामामल रूपचंद, मनोज, राजकुमार, दीपचंद, तन्नूमल दरयानी (फौत), ऊधवदास (फौत), पुत्री सुदामी दोदानी, सुशीला मोटवानी, मीरा लोहानी है। तन्नूमल दरयानी पिता रूपचंद के फौत होने से वैध वारसानों में पत्नि विद्या, पुत्र भारत, जय, पुत्री रेखा, गीता है। एवं ऊधवदास पिता रूपचंद के फौत होने से वैध वारसानों में पत्नि गीता, पुत्र अमित, सुमित पुत्री आरती अशुल है।

अत: नजूल भूमि ब्लॉक नं0 24 प्लाट नं0 193 रकथा 1250 वर्गफुट भूमि पर पट्टेदार बक्शाराम पिता किस्मतराय के फौत होने से उनके स्थान पर सुदामामल, रूपचंद, मनोज, राजकुमार, दीपचंद पिता बक्शाराम, सुदामी दोदानी, सुशीला मोटवानी मीरा लोहानी पुत्री बक्शाराम विद्या पत्नि तन्नूमल, भारत, जय पिता तन्नूमल, रेखा, गीता पिता तन्नूमल, गीता पत्नि ऊधवदास, अमित, सुमित पिता ऊधवदास, आरती अंशुल पिता ऊधवदास का नाम नजूल अभिलेख में फौती वारसान के आधार पर दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 18/09/23 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है, नियत तिथि पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/09/23 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के साथ जारी।

नजूल अधिकारी
सागर

न्यायालय नजूल अधिकारी जिला सागर म.प्र.

(इश्तहार)

राजस्व प्रकरण क्रमांक 14 अ/6वर्ष 23-24

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदक लक्ष्मीनारायण तिवारी पिता स्व. श्री जानकी प्रसाद तिवारी निवासी इन्द्रा नगर वार्ड, 5 सिविल लाईन सागर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि नजूल भूमि ब्लॉक नं. 57 प्लाट नं 7 में से रकवा 1150, वर्गफुट लक्ष्मीनारायण तिवारी पिता स्व. श्री जानकी प्रसाद तिवारी, प्रभाबाई पाण्डेय पत्नि स्व. ओमकार प्रसाद पाण्डेय, चन्द्रवती मिश्रा पनि गिरीश कुमार मिश्रा के नाम से नजूल अभिलेख में दर्ज है। प्रभाबाई पाण्डेय एवं चन्द्रवती मिश्रा ने अपने हिस्से 766.60 वर्गफुट का इकत्याग मेरे पक्ष में पंजीकृत हकत्याग पत्र क. MP33712023A11987931 दिनांक 14.06.2023 से कर दिया है।

अत: नजूल ब्लॉक नं. 57 प्लाट नं. 7 में से रकवा 766.66 वर्गफुट पर पंजीकृत हकत्याग प्रमाण पत्र क्रमांक MP33712023A11987931 दिनांक 14.06.2023 के अनुसार हकत्यागकर्ता प्रभाबाई पाण्डेय पत्नि स्व. ओमकार प्रसाद पाण्डेय, चन्द्रवती मिश्रा पत्नि गिरीश कुमार मिश्रा का नाम पृथक कर लक्ष्मीनारायण तिवारी पिता स्व. श्री जानकी प्रसाद तिवारी का नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 18/09/23 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 01/09/23 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के साथ

नजूल अधिकारी
सागर

न्यायालय नजूल अधिकारी जिला सागर म.प्र.

(इश्तहार)

राजस्व प्रकरण क्रमांक 15 अ / 6 वर्ष 23-24

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है. कि आवेदक रूपचंद पिता बक्शाराम दरयानी निवासी संतकबरराम वार्ड सागर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है. कि. सागर स्थित नजूल ब्लॉक नं. 24 प्लाट नं. 298 रकवा 1250 वर्गफुट का स्थायी पट्टा आवेदक के माताजी नानकीबाई पत्नि बक्शाराम के नाम से स्वीकृत था पट्टेदार/आवेदक के माताजी नानकीबाई पत्नि बक्शाराम की मृत्यु दिनांक 03.06.1994 को हो चुकी है। जिनके वैध वारसानों में पुत्र सुदामामल, रूपचंद, मनोज, राजकुमार, दीपचंद, तन्नूमल दरयानी (फौत), ऊधवदास (फौत), पुत्री सुदामी दोदानी सुशीला मोटवानी, मीरा लोहानी है। तन्नूमल दरयानी पिता रूपचंद के फौत होने से वारसानों में पत्नि विद्या पुत्र भारत, जय, पुत्री रेखा, गीता है एवं ऊधवदास पिता रूपचंद के होने से वैध वारसानो मे पत्नि गीता, पुत्र अमित सुमित, पुत्री आरती अंशुल है।

अत: नजूल भूमि ब्लॉक नं. 24 प्लाट न. 298 रकवा1250 वर्गफुट भूमि पर पट्टेदार नानकीबाई पत्नि बक्शाराम के फौत होने से उनके स्थान पर सुदामामल, रूपचंद, मनोज, राजकुमार दीपचंद पिता बक्शाराम सुदामी दोदानी, सुशीला मोटवानी, मीरा लोहानी पुत्री बक्शाराम, विद्या पत्नि तन्नूमल, भारत, जय पिता तन्नूमल, रेखा, गीता पिता तन्नूमल गीता, पत्नि ऊधवदास, अमित, सुमित पिता ऊधवदास, आरती अंशुल पिता ऊधवदास का नाम नजूल अभिलेख में फौती वारसान के आधार पर दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 18/09/23 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है, नियत तिथि पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/09/23 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के साथ जारी।

नजूल अधिकारी
सागर

कार्यालय नगर पालिक निगम, सागर

क्र./नामा. शा./न.नि./2023/ सागर दिनांक 01/09/2023

-:: सूचना ::-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, नगर पालिक निगम सागर सीमान्तर्गत नीचे दिये गये भवन/प्लाटों पर नाम दर्ज करने हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। अत: इस संबंध में जिन व्यक्तियों को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी लिखित आपत्ति सूचना प्रकाशन के 30 दिवस के अंदर आयुक्त, नगर पालिक निगम सागर के नाम पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

क्र.	प्र.क्र.	वार्ड का नाम भवन/प्लाट	किस आधार पर	नाम बेचवार/वसीयतनामा/ दानदाता/वंशानुक्रम	जिस व्यक्ति का नाम दर्ज होना है
1.	701/23-24	नरयावली नाका	रजि.बैनामा, शपथ पत्र, तफशीश नकल	गायत्री पति शंकरलाल कटारे	अंशु पिता स्व. रविशंकर कटारे
2.	702/23-24	नरयावली नाका	मृत्यु प्रमाण-पत्र, शपथ पत्र, वसीयतनामा	कमलाबाई पति स्व. जगन्नाथ प्रसाद अग्रवाल	नवल किशोर पिता स्व. जगन्नाथ प्रसाद अग्रवाल
3.	703/23-24	गुरुगोविन्द	रजि.बैनामा, शपथ पत्र, खसरा बी-1, तफशीश नकल	राजकुमार पिता देवी सिंह यादव	खुर्शीद बेगम पति अब्दुल मजीद खान
4.	704/23-24	बाघराज	रजि.बैनामा, शपथ पत्र, खसरा बी-1, टैक्स रसीद	अंकित पिता अशोक रावत	हेमन्त कुमार पिता पूरनलाल विश्वकर्मा
5.	705/23-24	विट्ठलननगर	रजि.बैनामा, शपथ पत्र, खसरा बी-1, टैक्स रसीद	विश्वदीप पिता युगल निवास श्रीवास्तव	कल्पना पति विनोद चौकसे
6.	706/23-24	तिली	रजि.बैनामा, शपथ पत्र, खसरा बी-1	रश्मि पति रमाशंकर वर्मा	प्रीति पति कृष्णकुमार सूर्योश
7.	707/23-24	सूबेदार	रजि.बैनामा, शपथ पत्र, खसरा बी-1	सावरिया पार्श्व एसोसिएट	राहुल पिता चन्द्रशेखर जैन
8.	708/23-24	शिवाजी	रजि.बैनामा, शपथ पत्र, खसरा बी-1, टैक्स रसीद	हरीश पिता बिहारीलाल सराफ	बबीता पति धर्मेन्द्र राय
9.	709/23-24	बाघराज	रजि.बैनामा, शपथ पत्र, खसरा बी-1	बलराम पिता मोहनलाल एवं पुरुषोतम पिता बलराम चौरसिया	लक्ष्मण पिता रामप्रसाद चौरसिया
10.	710/23-24	शिवाजी	रजि.बैनामा, शपथ पत्र, खसरा बी-1	हरीश पिता बिहारीलाल सराफ	बबीता पिता धर्मेन्द्र राय

कृते-आयुक्त, नगर पालिक निगम, सागर

कार्यालय प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल- ceproc.encwrd.bpl@nic.in

फोन - 0755-2767635 फेक्स- 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1021/2023-24 / प्रमुख अभियंता / ई-टेंडरिंग / भोपाल, दिनांक 24.08.2023

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट https://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 15.09.2023 को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा । विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क.	निविदा क्रं.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2023_WRD_ 300492	नचनौरा तालाब योजना के बांध एवं नहर खुदाई, पक्के कार्य एवं लाईनिंग का शेष निर्माण कार्य ।	पन्ना	199.23
2.	2023_WRD_ 300493	टर्न की पद्धति पर गिदुरहाई जलाशय योजना का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क परन्तु उस तक सीमित नहीं।	सतना	443.06
3.	2023_WRD_ 300495	अटल भूजल अन्तर्गत भितरवार तालाब एवं कुडियाला तालाब योजना में बांध पर मिट्टी कार्य,स्लूस निर्माण कार्य, फ्लश बार कार्य नहर का लाइनिंग कार्य, कोलावा एवं अन्य स्ट्रेक्रर्स निर्माण एवं मरम्मत कार्य।	टीकमगढ़	119.28
4.	2023_WRD_ 300496	अटल भूजल अन्तर्गत ददगांय तालाब योजना में बांध पर मिट्टी कार्य, स्लूस निर्माण कार्य, फ्लश बार कार्य नहर का लाइनिंग कार्य, कोलावा एवं अन्य स्ट्रेक्रर्स निर्माण एवं मरम्मत।	टीकमगढ़	78.56
5.	2023_WRD_ 300501	टर्न की पद्धति पर दोना / लाखानाला जलाशय योजना (नहर सागर रहित) का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क परन्तु उस तक सीमित नहीं।	सागर	654.82
6.	2023_WRD_ 300503	पहाडीखेडा तालाब योजना के डूब क्षेत्र में प्रभावित पहुंचमार्ग में माइनर ब्रिज तथा एप्रोच रोड़ कार्य।	पन्ना	53.13
7.	2023_WRD_ 300504	टर्न की पद्धति पर बड़ी भैंसाकराई मिट्टी के बांध (नहर रहित) का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क परन्तु उस तक सीमित नहीं।	झाबुआ	398.05
8.	2023_WRD_ 300506	टर्न की पद्धति पर दोतड़ बैराज का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क परन्तु उस तक सीमित नहीं।	झाबुआ	356.11
9.	2023_WRD_ 300508	पवई परियोजना अन्तर्गत पम्प हाउस में (स्थल- ग्राम सथनिया) पर विद्युतीकरण कार्य हेतु नवीन 33 के.व्ही. समर्पित फीडर के निर्माण सहित स्थापना का कार्य समस्त सामग्री एवं मजदूरी सहित कार्यस्थल पर जी शेडयूल एवं इंचार्ज यंत्री के निर्देशानुसार।	सागर	536.92
10.	2023_WRD_ 300509	विशेष मरम्मत अंतर्गत शेरपार जलाशय के मिट्टी के बांध, स्लूस, पिचिंग, चिपिंग, फ्लशबार एवं मुख्य नहर का मरम्मत कार्य।	बालाघाट	62.32
11.	2023_WRD_ 300515	विशेष मरम्मत अंतर्गत बन्ना जलाशय की दांयी तट नहर एवं बांयी तट नहर तथा स्लूस का मरम्मत एवं सुधार कार्य।	बालाघाट	38.99
12.	2023_WRD_ 300682	टर्न की पद्धति पर जमुनिया सेहा तालाब योजना का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	पन्ना	497.82
13.	2023_WRD_ 301514	अंधरखोह बांध का सुधार कार्य।	सतना	72.19
14.	2023_WRD_301517	अटल भूजल अन्तर्गत अतरार तालाब एवं रामसागर तालाब योजना में बांध पर मिट्टी कार्य, पडल कार्य, स्लूस निर्माण कार्य, नहर का लाइनिंग कार्य, कोलावा एवं अन्य स्ट्रेक्रर्स निर्माण एवं मरम्मत कार्य।	टीकमगढ़	65.07
15.	2023_WRD_ 301518	अटल भूजल अन्तर्गत पुरैनिया तालाब योजना में बांध पर मिट्टी कार्य, स्लूस निर्माण कार्य नहर का लाइनिंग कार्य, कोलावा एवं अन्य स्ट्रेक्रर्स निर्माण एवं मरम्मत कार्य।	टीकमगढ़	48.32
16.	2023_WRD_ 301521	टर्न की पद्धति पर पाथाखेडा जलाशय (नहर रहित) का निर्माण कार्य विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	बैतूल	329.57
17.	2023_WRD_ 301524	टर्न की पद्धति पर सेवन तालाब (नहर रहित) का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	सागर	252.06
18.	2023_WRD_ 301526	टर्न की पद्धति पर केवड़ेश्वर घाट का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क परन्तु उस तक सीमित नहीं।	इन्दौर	494.87
19.	2023_WRD_ 301528	पेंच व्यपवर्तन परियोजना के अन्तर्गत जलग्रहण क्षेत्र, डूब के निकटवर्ती क्षेत्र एवं कमाण्ड क्षेत्र में पर्यावरण पर प्रभाव के आंकलन एवं उपचार हेतु केचमेंट एरिया ट्रीटमेंट प्लान तैयार एवं स्वीकृति प्राप्त करने संबंधी कार्य।	छिन्दवाड़ा	59.96
20.	2023_WRD_ 301693	टर्न की पद्धति पर:- तिलावली स्टॉप डेम का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	मुरैना	421.64

जी-19037/23 (मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री लोक निर्माण विभाग परियोजना क्रियान्वयन इकाई दमोह

एन-आई-टी- नं- 23/2023/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/जी/एपीडी / जबलपुर दिनांक 28.08.2023

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है:

क्रं.	पोर्टल टेंडर क्रं.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि प्रति वाहन (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2023_PWPIU_302365	लोनिवि पी आई यू दमोह में कार्यरत अधिकारियों को शासकीय निर्माण कार्यों के निरीक्षण / स्थल भ्रमण हेतु वाहन (बोलेरो) उपलब्ध कराना	दमोह	5.62	11300/-	2000/-	24 माह

1. निविदा से संबंधित बिड डाक्यमेन्ट बेवसाईट http://mpeproc.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य अनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल आन-लाईन दिनांक 01.09.2023 समय 09.00 से दिनांक 15.09.2023 समय 06.00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग, पी.आई. यू. दमोह

जी-19027/23

जांच में अधिकारियों ने पाया बगैर निर्माण के निकाली राशि, अब दोषियों से होगी वसूली

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले के जनपद पंचायत बल्देवगढ़ के ग्राम पंचायत दूबदेई में मनरेगा योजना से होने वाले दो सर्कुलेशन टैंक और दो डगपॉन्ड निर्माण कार्यों में सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक द्वारा जमकर भ्रष्टाचार किया गया है। यह पर फर्जीवाड़ा का आलम यह है। कि कागजों में निर्माण दर्शाकर शासकीय राशि को ठिकाने लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। ग्राम पंचायत दूबदेई में मनरेगा योजना से निर्माण होने वाले दो डागपॉइंट और दो सरकुलेशन टैंक बनाए बिना ही फर्जी मास्टर रोल जारी कर मजदूरों के नाम 10 लाख 5 हजार 312 रुपया की राशि निकाल गई है। ग्राम पंचायत दूबदेई में हुए भ्रष्टाचार एवं फर्जीवाड़ा शिकायत ग्रामीणों द्वारा जनपद सीईओ से की गई थी। ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जनपद सीईओ ने तीन सदस्य तीन गठित कर जांच के आदेश जारी किए थे। आदेश के बाद दूबदेई में मनरेगा योजना से होने वाले दो सर्कुलेशन टैंक और दो डगपॉन्ड निर्माण कार्यों के कामों की जांच करवाने के लिए जनपद पंचायत सहायक यंत्री सहित दो यांत्रियों को जांच के लिए मौके पर भेजा गया था। जांच के दौरान यह बात सामने आई कि ग्राम पंचायत दुबदेई में सर्कुलेशन और डग पॉइंट निर्माण कार्यों में जमकर भ्रष्टाचार किया गया है। व्यय की गई राशि अनुसार काम नहीं किए गए हैं, इन कार्यों पर व्यय की गई राशि वसूली योग्य पाई गई है।

सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक की मनमानी उजागर

ग्रामीणों ने बताया कि यहां पर सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक अपनी मनमर्जी से काम करते हैं। मनरेगा के कामों को जेसीबी मशीन से कराया जाता है। कुछ काम कराकर पैसे निकल लिए जाते हैं। क्योंकि सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक पर कोई कार्रवाई नहीं होने से उनके फैसले बुलंद हैं और भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़ा कर रहे हैं

जांच में यह बातें आई सामने

ग्राम पंचायत दूबदेई में मनरेगा से स्वीकृत चंदेरी रोड पर निर्माण होने वाले कैलकुलेशन टैंक मौके पर व्यय की गई। राशि के अनुसार काम नहीं पाया गया है। उक्त कार्य को जांच टीम द्वारा निरस्त करते हुए इस कार्य पर व्यय की गई। राशि 3 लाख 16 हजार 693 रुपए वसूली बनाई गई है। वहीं परकोलेशन टैंक निर्माण कैथ की पहाड़ी पर होने वाले कार्य का उपयंत्री द्वारा बताया गया कि कार्य नियम अनुसार अनुसार नहीं है। उक्त कार्य का मूल्यांकन होने लायक नहीं है। उक्त कार्य पर व्यय राशि 2 लाख 68 हजार 56 रुपए वसूली की जाए है और डगपोण्ड निर्माण जतमउ के पास उक्त कार्य का निर्माण जिस स्थल पर किया जा रहा है, वह स्थल अनुपयुक्त है। उक्त कार्य को निरस्त करते हुए व्यय की गई राशि रूपये 1 लाख 36 हजार 578 रुपए वसूली योग्य पाई गई है। डगपोण्ड निर्माण मटयाघाट में पट्टी बलवंतसिंह में किया गया। कार्य का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता है। उपयंत्री ने बताया कि कार्य शासन के अनुसार नहीं है। उक्त कार्य को निरस्त करते हुए इस कार्य पर व्यय राशि 2 लाख 83 हजार 985 रुपए वसूली योग पाई गई है। जांच टीम ने बताया कि इन सभी कामों पर 10 लाख 5 हजार 312 रुपया की बसूली सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक के ऊपर बने जनपद सीईओ को प्रतिवेदन दिया है। निश्चित ही सरपंच सचिव और रोजगार सहायक पर करवाई कार्यवाही की जाएगी।

टौरिया में अब नहीं रहेगी पानी की किल्लतः हरिशंकर खटीक

पलेरा, देशबन्धु। जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत टौरिया मे पेयजल की समस्या का समाधान करते हुए मुख्यमंत्री पेयजल योजना की मंजूरी मिल चुकी है। ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती गीता-बृजेश अहिरवार के द्वारा किए गए विशेष प्रयासों से अंतत: गांव की मांग को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री पेयजल योजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। बताया गया है कि ग्राम पंचायत टौरिया में गर्मी शुरू होते ही पानी की समस्या की किल्लत प्रारंभ हो जाती थी। ग्रामवासी वर्षों से पेयजल समस्या से जूझ रहे थे। नवनियुक्त सरपंच श्रीमती गीता बृजेश अहिरवार ने सर्वोच्च प्राथमिकता पर पेयजल समस्या दूर करने का लक्ष्य रखा। उनके द्वारा स्थानीय विधायक माननीय श्री हरिशंकर जी खटीक को उक्त समस्या से अवगत कराया गया। इसके बाद जतारा विधायक हरिशंकर खटीक के द्वारा मुख्यमंत्री पेयजल योजना में टौरिया गांव को सम्मिलित किये जाने के प्रयास शुरू किए गए।

बताया गया है कि उक्त कार्य के टेंडर हो गए हैं एवं कार्य शीघ्र ही प्रारंभ किया जा रहा है। पेयजल योजना की लागत राशि 2.67 करोड रुपये है। मौका स्थल पर पेयजल स्रोत ढूंढने के लिए एचपीई विभाग लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी द्वारा प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। इस संबंध में बीते शुक्रवार को सरपंच प्रतिनिधि बृजेश अहिरवार के साथ ग्राम टौरिया के वरिष्ठ ग्रामीण द्वारिका विश्वकर्मा, लक्ष्मण कुशवाहा, खेमचंद कुशवाहा, हरिनारायण अहिरवार, सुनील अहिरवार एवं रामसेवक अहिरवार के द्वारा कलेक्टर अवधेश शर्मा को इस संबंध में त्वरित कार्यवाही किए जाने पर आभार व्यक्त किया। वहीं ग्राम पंचायत में सरपंच श्रीमती गीता बृजेश अहिरवार के द्वारा किए गए विशेष प्रयासों की सराहना की जा रही है।

टीआई बने घायलों के मददगार, समय पर उपचार मिलने से बची दो जिंदगी

टीकमगढ़, देशबन्धु। पुलिस ने एक बार फिर मानवता की मिशाल पेश की है। यहां नवांगत टीआई आनंद राज ने घायलों के मददगार साबित हुए है। दरअसल शुक्रवार की शाम 5 बजे के आस-पास दो युवक टीकमगढ़ की ओर बाईक से आ रहे थे, तभी गुलाब गार्डन के समीप उनकी बाईक अनियंत्रित हो गई और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके से गुजर रहे टीआई आनंद राज ने भीड़भाड़ देखी तो उन्होंने अपना वाहन रूकवाकर घायलों को अपने वाहन में लिटाकर अस्पताल ले गए। जहां उनका उपचार प्रारंभ हो सका। पैतपुरा निवासी पुष्पेन्द्र प्रजापति को जहां मामूली चोटे आई है, वहीं मुकेश यादव घटना में गंभीर घायल हुआ है। जिसे डॉक्टरों ने जिला अस्पताल से रैफर कर दिया है। बड़े दिनों बात पुलिस का यह रूप देखने को मिला है। वरना आयेदिन पुलिस प्रताड़ना के मामले देखने को मिलते है। लहुलुहान युवकों को जब टीआई अपने गोद में उठाकर ले जा रहे थे, अस्पताल में मौजूद लोग भी पुलिस की प्रशंसा करने से अपने आप को रोक नहीं पाए। डॉक्टरों का कहना है कि अगर समय पर मुकेश को अस्पताल नहीं लाया जाता तो उसकी हालत और भी बिगड़ सकती थी। पुलिस अधिकारी ने वास्तव में उसकी जान बचाने का काम किया है।

मेले की व्यवस्थाओं को लेकर पुलिस व प्रशासन ने बनाई रूपरेखा

जतारा, देशबन्धु। अब्दाल साहब के पहाड़ पर आयोजित होने वाले मेले की तैयारी को लेकर पुलिस पर प्रशासन के अधिकारियों की एक बैठक अनुभागीय अधिकारी कार्यालय जतारा में आयोजित की गई। बैठक को लेकर जतारा एसडीएम लोकेंद्र सिंह सरल ने अनुभाग के सभी थाना प्रभारी, सभी तहसीलदार एवं अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आयोजित की गई। जिसमें उन्होंने निर्देशित किया है कि आगामी 14 सितंबर को आयोजित मेले को लेकर पुलिस व प्रशासनिक के अधिकारियों की हुई। जिसमें नगर परिषद अध्यक्ष जतारा अनुराग रामजी नायक मुस्लिम समुदाय के मेले को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराए जाने को लेकर चर्चा की गई और सभी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान आने जाने के लिए रास्ते, पार्किंग व्यवस्था, मेले में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए पीने के पानी की व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था आदि को लेकर चर्चा की गई। एसडीएम लोकेंद्र सिंह ने मेले को लेकर सभी प्रशासनिक अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की है, तो वहीं पुलिस में प्रशासन के अधिकारियों ने मेले को लेकर एक रूपरेखा तैयार की है, ताकि यहां पर प्रतिवर्ष की तरह अब्दाल साहब के पहाड़ पर जो मेले का आयोजन होता है। उसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। इस मौके पर जतारा तहसीलदार वंदना सिंह, तहसीलदार पलेरा डॉ अंवतिका तिवारी, तहसीलदार मोहनगढ़, लिधौरा, दिगौड़ा, थाना प्रभारी अरविन्द सिंह दांगी, एसआई मनोज द्विवेदी थाना प्रभारी पलेरा, नरेन्द्र सिंह परिहार थाना प्रभारी बम्होरी कलां, रामसिया चौधरी चौंकी प्रभारी कनेरा, आकाश रूसिया चदेरा, लिधौरा, दिगौड़ा, मोहनगढ़ आदि थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

हड़ताली कर्मचारियों से मिलने पहुंचे विधायक कहा- जायज मांगों को पूरा कराऊंगा

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर के पास सहकारिता समिति कर्मचारी एवं मध्य प्रदेश पटवारी संघ टीकमगढ़ द्वारा अपनी मांगों को लेकर बीते दिनों से हड़ताल की जा रही है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार के दिन कलेक्ट्रेट कार्यालय के पास सहकारिता एवं राजस्व विभाग के कर्मचारियों द्वारा अपनी लंबित मांगो को लेकर हड़ताल की जा रही है।

विधायक राकेश गिरी ने हड़ताल स्थल पर पहुंचकर सभी कर्मचारियों का समर्थन किया। हड़ताल पर बैठे सहकारिता समिति एवं मप्र पटवारी संघ के कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगो को लेकर विधायक राकेश गिरी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा। इस दौरान विधायक राकेश गिरी ने कर्मचारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि इन सभी कर्मचारियों की मांगे जायज है, जिनका मैं समर्थन करता हूं। साथ ही उन्होंने कहा कि आप सभी की मांगों को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के समक्ष रखूगा तथा आप सभी की मांगे पूरी करने की बात कहूंगा। विधायक राकेश गिरी ने बताया कि सहकारिता समिति के कर्मचारियों द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल वेतनमान बढ़ाये जाने के लिये की जा रही हैं। जो कि इन सभी की मांगे जायज है। मैं इन सभी की मांगों का समर्थन करता हूं। वर्षो से जो कर्मचारी समितियों में काम कर अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं। मैं इन सभी की लड़ाई में साथ खड़ा हूं और मैं मांग करता हूं, जो सहकारिता समिति के कर्मचारी हैं, उनका वेतनमान बढ़ाया जायें।

मानव अधिकार सुरक्षा संगठन ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

जतारा, देशबन्धु। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन ने तहसीलदार जतारा को आवेदन सौंपा। शासकीय उद्यान विभाग की भूमि खसरा नंबर 1682 को अतिक्रमण से मुक्त किए जाने एवं समुदाय विशेषको अतिक्रमण न किए को लेकर ज्ञापन दिया। ज्ञापन में जुबली बगिया, उद्यान विभाग नाम से जाने वाला भूखंड शासकीय उद्यान विभाग जतारा के अधिपत्य में था। जो आज भी खसरा क्रमांक 1682 रखवा 0.174 हेक्टेयर है। समुदाय विशेष के द्वारा जब अतिक्रमण किया गया, तब उद्यान विभाग जतारा के प्रभारी ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जतारा शासकीय पत्र द्वारा इस बहुमूल्य जमीन के बारे में लिखा। तहसीलदार ने कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी को लिखा। इसके बाद कोई कार्रवाई नहीं हुई, इतने बीच में समुदाय विशेष ने रातों-रात चोरी छुपी करके उसे जमीन पर सीमेंट कंक्रीट वेपर से फर्श बना लिया पुन: उन्होंने सूचना दी की चोरी छुपे समुदाय विशेष ने शासकीय उद्यान की भूमि भूमि पर कब्जा हो रहा है। परंतु उनके लिखने के बाद शासन के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। लुका छुपी करके कार्य चलता रहा। जबकि पूर्व मंत्री स्व. सुनील नायक ने उद्यान विभाग को विधायक निधि से राशि देकर फूलवार के लिए एवं उनकी सुरक्षा के लिए बाउंड्री वॉल के लिए राशि आवंटन किया। जिससे बॉडी बाल तो बन गई परंतु चाबी समुदाय विशेष के पास ही रही। तत्कालीन एसडीम सौरभ सोनबडे एवं तत्कालीन तहसीलदार सतीष वर्मा के निर्देशन में इसकी चाबी पुन: तहसील में आई। परंतु एक समय ऐसा आया कि प्रशासन की मिली भगत के द्वारा चाबी फिर से उनके पास पहुंच गई और अभी भी उसे परकब्जा बनाए हुए हैं। जतारा नगर वासियों ने अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार संगठन को सूचित किया और लिखित में दिया कि इनका यह कब्जा हटाया जाए। इस संबंध में शुक्रवार को तहसीलदार जतारा को आवेदन पत्र दिया और उसे समुदाय विशेष से करोड़ों की जमीन उद्यान विभाग को सौंपने की मांग की। यदि मांग पूरी नहीं हुई तो पुन स्मरण पत्र देकर अंत में सत्याग्रह आंदोलन क्रमिक भूख हड़ताल कर राष्ट्रीय संपत्ति को बचाया जाए।

हत्या के मामले में पत्नी व पुत्र को आजीवन कारावास की सजा

टीकमगढ़, देशबन्धु। थाना पलेरा के आरोपी नीरज सेन पुत्र रामकिशन सेन आयु 23 वर्ष एवं श्रीमती प्रभा सेन पत्नी रामकिशन सेन आयु 52 वर्ष दोनों निवासी वार्ड नंबर 13 पलेरा के द्वारा 24 फरवरी 22 की रात्रि करीब 1 बजे रामकिशन सेन निवासी पलेरा की बस के डंडे एवं लोहे की गेति से चोटे पहुंचाकर हत्या कर दी गई थी। उक्त मामले की विवेचना निरीक्षक मुकेश शाक्य द्वारा की गई। मामले का विचारण प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश जतारा एमडी रजक द्वारा किया गया। जिसमें शासन की ओर से पैरवी शासकीय अधिवक्ता रतन सिंह ठाकुर द्वारा की गई। दोनों आरोपियों को न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध पाए जाने पर आजीवन कारावास एवं 10 हजार के अर्थदंड से दंडित किया है।

संस्कार, संस्कृति व शिक्षा का अनुपम केन्द्र है विमर्श कैम्प

जतार, देशबन्धु। बुन्देल खण्ड की धर्मनगरी अतिशय क्षेत्र जतारा में जीवन है पानी की बूंद महाकाव्य के मूल रचियता परमपूज्य भावलिंगी संत आचार्य विमर्श सागर महामुनिराज के जन्म से पावन व पवित्रता को प्राप्त हुई है। सन् 2023 में जन्मभूमि का महासौभाग्य जागा, जो अपनी ही माटी में जन्मे महान आचार्य प्रवर विमर्शसागर महाराज का चातुर्मास कराने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ। प्रतिदिन देशभर से भक्तों का समुदाय जन्मभूमि पर अपने गुरूवर एवं अतिशयकारी भोयरे के बड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी का महान दुर्लभ दर्शन प्राप्तकर अपने जन्म व जीवन को सफल कर रहे हैं। विमर्श कैंप के मांगलिक शुभारंभ के पावन अवसर पर जैन समाज अध्यक्ष महेंद्र जैन, राजीव मांची, सुनील बंसल, राजीव मोदी, मुकेश जैन, राजेश जैन, अनुज भंडारी सहित बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग उपस्थित रहे।

जन शिक्षा केंद्र लिधौरा पर साक्षरता सप्ताह आयोजित करने के लिए बैठक

जतारा, देशबन्धु। नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत साक्षरता सप्ताह के आयोजन के लिए बैठक प्राचार्य महेश अहिरवार पीजी कॉलेज लिधौरा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। खंड स्तरीय अधिकारियों से समन्वय कर प्रतिदिन की गतिविधियों के संबंध में कार्य योजना राज शिक्षा केंद्र के आदेश अनुसार तैयार की गई।

बैठक में रतिराम यादव प्रतिनिधि नगर परिषद लिधौरा, हीरालाल राजपूत प्रभारी संकुल प्राचार्य, महेंद्र गुप्ता प्रभारी प्राचार्य कन्या लिधौरा, बीआरसीसी प्रभारी बीएसी हामिद खान, साक्षरता समन्वयक राकेश साहू जतारा, रविंद्र कुमार पटसरिया सीएसी, प्रवेंद्र सिंह परमार सीएसी, छोटेलाल अहिरवार सह समन्वयक जन शिक्षा केंद्र लिधौरा, परमानंद सोनी बालक माध्यमिक लिधौरा उपस्थित रहे। जन शिक्षा केंद्र लिधौरा में साक्षरता सप्ताह अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय एवं विद्यालय में अध्यनरत छात्रों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा बचत शाख समिति के सदस्यों को साक्षरता कार्यक्रम का परिचय एवं सर्वे के लिए चिन्हांकन प्रपत्र नोट करवाना। 2 सितम्बर को शहरी वार्ड एवं ग्राम अंतर्गत शालाओं के छात्र-छात्राओं द्वारा साक्षरता रैली निकाली जाएगी। 3 सितम्बर को असाक्षरों का सर्वे किया जाएगा। इस प्रकार यह बैठक 2 सितम्बर से 8 सितम्बर आयोजित की जाएगी।

शराब का अवैध परिवहन करते आरोपी गिरफ्तार

बल्देवगढ़। बुधवार को बुडेरा थाना पुलिस ने अवैध शराब परिवहन कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 6 पेटी शराब और एक मोटरसाइकिल को जब्त किया है। बुडेरा पुलिस की कार्यवाही से अवैध शराब बिक्री करने वालों में हड़कंप मच गया है।

थाना प्रभारी रश्मि जैन ने बताया कि पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देश पर अवैध शराब विक्रय एवं परिवहन करने वालों पर कार्यवाही की गई है। आज मुखबिर से सूचना मिली थी कि बड़ी मात्रा में दो व्यक्तियों द्वारा मोटरसाइकिल डिकोली की ओर अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा है। जानकारी लगते ही पूरी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की तो पुलिस देख मोटरसाइकिल सवार आम रास्ते से भागने लगा तभी पुलिस ने पतारी तिगला के पास डीलक्स मोटरसाइकिल एमपी 34 एमक्यू 6073 से ले जा रही 6 पेटी अवैध शराब सहित आरोपी अखिलेश पिता छोटेलाल राय उम्र 24 साल नि विषवा थाना भगवां

जिला छतरपुर और भुल्ली उर्फभास्कर पिता मथुरा प्रसाद खंगार उम्र 40 साल निद्ध सिमरा खुर्द थाना बम्होरीकला को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 21 हजार रुपए की शराब और 40 हजार मोटरसाइकिल जप्त कर धारा 34/2 का मामला दर्ज का जांच शुरू कर दी है। पुलिस कार्यवाही के दौरान थाना प्रभारी रश्मि जैन, एसआई मनोज पटेल, प्रधान रक्षक विजय वर्मा आरक्षक अंकित द्विवेदी शीतल सेन मौजूद रहे।

सार समाचार

राष्ट्रीय खेल दिवस पर शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला पांड़ाझिर में किया गया खेलों का आयोजन

दमोह देशबन्धु। राष्ट्रीय खेल दिवस प्रतिवर्ष महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में 29 अगस्त को मनाया जाता है। इसी क्रम में बटियागढ़ ब्लॉक के शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला पांड़ाझिर में राष्ट्रीय खेल दिवस पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। शिक्षक विमल कुमार पटेल ने बताया खेल खेलने से बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। शाला में प्रतिदिन विद्यार्थी खेल खेलते हैं और राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों के प्रोत्साहन हेतु पुरस्कार प्रदान किए गए।

बहुजन भीम आर्मी द्वारा बड़ोदिया कांड पर सौंपा ज्ञापन

दमोह/हटा देशबन्धु। बहुजन भीम आर्मी द्वारा राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को सागर जिले के खुरई थाना अंतर्गत बडोदिया ग्राम की घटना पर हटा एसडीएम के माध्यम से एक ज्ञापन सौंपा गया । ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि मध्य प्रदेश में दलित आदिवासियों पर अत्याचार लगातार बढ़ रहे हैं ग्राम बरोदिया में एक बालक नितिन अहिरवार को भरे बाजार चौराहे पर निर्मम हत्या एवं उसकी जान बचाने आई मां एवं बहन के साथ मारपीट कर मा को निर्वस्त्र करके घुमाया जाने का अमानवीय अत्याचार , जगन्य घटना है , जिसको लेकर बहुजन भीम आर्मी द्वारा पीड़ित परिवार को सुरक्षा, मुआवजा एवं आरोपियों को फांसी देकर आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाई जाने की मांग की है । ज्ञापन देने वाले में देवराज सूर्यवंशी, बृजेश अहिरवार, ग्या प्रसाद, हरिदास ,शिवम ,राकेश दीपचंद ,सोनू के साथ दर्जन भर से अधिक लोगों की उपस्थिति रही ।

महाविद्यालयों में हुआ मतदाता जागरूकता अंतर्गत वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

दमोह देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आगामी विधानसभा निर्वाचन-2023 के तारतम्य में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं स्वीप नोडल अधिकारी अर्पित वर्मा, अपर कलेक्टर एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी मीना मसराम के मार्गदर्शन में जिले के समस्त महाविद्यालयों में स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान के तहत वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन देश का विकास लोकतंत्र से संभव हुआ है थीम पर किया गया। इस प्रतियोगिता में शासकीय-अशासकीय महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। नोडल प्राचार्य डॉ के पी अहिरवार ने मतदाता जागरूकता अंतर्गत प्रतियोगिता के आयोजन के लिए समस्त महाविद्यालय के प्राचार्य को धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही भविष्य में भी इसी तरह की प्रतियोगिताएं करने के लिए कहा गया। इस अवसर पर सम्बंधित महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के स्वीप नोडल अधिकारी एवं स्टाफकी गरिमामयी उपस्थिथि रहीं।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 09 सितम्बर को

दमोह देशबन्धु। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत प्रिंसिपल जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेणुका कंचन के मार्गदर्शन में 09 सितम्बर 2023 दिन शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। इसके अंतर्गत जिला न्यायालय दमोह तथा तहसील न्यायालय हटा, पथरिया व तेंदूखेड़ा में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा, जिसमें न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य आपराधिक, सिविल, मोटर दुर्घटना दावा, निगोशिएबिल इंस्ट्रूमेन्ट एक्ट के अंतर्गत चौक बाउन्स प्रकरण, बैंक वसूली प्रकरण, वैवाहिक प्रकरण, विद्युत एवं जलकर संबंधी प्रकरण के साथ-साथ विद्युत-जलकर, बैंक वसूली से संबंधित प्रिलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण आपसी सहमति एवं राजीनामा के आधार पर किया जायेगा।

जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बुज पाण्डेय ने बताया नेशनल लोक अदालत में विद्युत एवं नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा छूट प्रदान करने के आदेश जारी किये जा चुके हैं जो केवल नेशनल लोक अदालत दिवस के लिये ही प्रभावी रहेंगें। इसके साथ ही मोटर दावा दुर्घटना के प्रकरणों के निराकरण के संबंध में बीमा कंपनियों के साथ प्रीसिटिंग की जाकर सहमति बनाने का प्रयास किया जा रहा है। जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया ने नेशनल लोक अदालत में समस्त पक्षकारों से अपने-अपने प्रकरणों का आपसी सहमति एवं सुलह के आधार पर निराकरण कराये जाने हेतु आग्रह किया है।

मेरी माटी मेरा देश : घर-घर से इकट्ठा की जा रही सामग्री

दमोह देशबन्धु। युवा कार्यक्रम के खेल मंत्रालय भारत सरकार की ओर से संचालित नेहरू युवा केंद्र द्वारा ग्राम स्तर पर मेरी माटी मेरा देश के अंतर्गत मिट्टी, कलश एवं चावल इकट्ठे किये जा रहे हैं। राष्ट्रीय युवा सेवक एवं कार्यक्रम प्रभारी सोमनाथ विश्वकर्मा ने बताया विकासखंड हटा के अंतर्गत आने वाली 57 पंचायत में घर-घर जाकर मिट्टी, कलश और चावल इकट्ठा किये जायेंगे। इसी क्रम में आज हरदुआ सड़क, बोरी कला, बोरी खद, देवरीजामशी, पाठा, मानपुर, रसीलपुर, हिनौता कला, रनेह एवं भिडारी, पहुंचकर मिट्टी, कलश एवं चावल इकट्ठे किए। यह आयोजन 15 सितंबर तक जारी रहेगा।

मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत हुआ द्वितीय चरण का शुभारंभ

दमोह देशबन्धु। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत नेहरू युवा केन्द्र द्वारा संपूर्ण देश में मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत द्वितीय चरण का शुभारंभ किया गया है। राष्ट्रीय स्तर पर इस कार्यक्रम का शुभारंभ देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह एवं केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर द्वारा किया गया। राज्य स्तर पर इस कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद विष्णु दत्त शर्मा द्वारा किया गया। दमोह जिले की पथरिया तहसील के अंतर्गत इस कार्यक्रम का शुभारंभ नेहरू युवा केन्द्र स्वयंसेवक एवं यूथ अचीवर्स कृष्णा पटैल द्वारा ग्राम पंचायत देवरान में अमृत कलश में मिट्टी लेते हुए गांव में प्रभात फेरी के माध्यम से पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित कर किया। उक्त कार्यक्रम मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद दमोह से संबंध नवांकुर संस्था छात्र क्रांति दल एवं छात्र सर्व कल्याण समिति के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के दौरान नेहरू युवा केंद्र स्वयंसेवक एवं यूथ अचीवर्स कृष्णा पटैल, छात्र क्रांति दल एवं छात्र सर्व कल्याण समिति से नितिन सिंह राजपूत, चंद्रपाल परिहार, शैलेंद्र ठाकुर, केशव कुर्मी, आशीष पटेल, अरविंद पटेल सहित अनेक ग्रामीणजनों की उपस्थिति रही।

विक्रेताओं को अनुचित नोटिस देने पर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

दमोह देशबन्धु। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी के द्वारा विक्रेताओं को अनुचित नोटिस देने को लेकर कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन। संयुक्त सहकारी समिति (पेक्स) कर्मचारी महासंघ म.प्र. के पत्र क्र./क्यू/10/2023/ दिनांक 21/08/2023 एवं पत्र क्र./01/2023 संयुक्त मोर्चा महासंघ के आदेशानुसार दिनांक 16/08/2023 से अनिश्चितकालीन कलम बंद हड़ताल पर बैठे हैं। जिसकी सूचना कलेक्टर के माध्यम से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम से ज्ञापन दिनांक 14 अगस्त 2023 को दिया गया ज्ञापन देने के बाद भी ् अनुविभागीय अधिकारी एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों के द्वारा अधीनस्थ कार्य करने वाले कर्मचारी (विक्रेताओं) के ऊपर नोटिस कटवायें जा रहे है जो न्यायोचित नही है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी के द्वारा कोरोना काल के समय शासन के आदेशों पर अपनी जान जोखिम में डालकर शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं का जैसे राशन बांटना, खाद बांटना, मध्यान्ह भोजन बांटना सांझा चूल्हा बांटना इत्यादि योजनाओं का क्रियान्वयन किया। हम सभी विक्रेता ज्ञापन सौंपकर न्यायोचित मांगो का समर्थन करे की मांग की है।

जबेरा को नगर पंचायत बनाने दिया ज्ञापन

दमोह/नोहटा देशबन्धु। जबेरा को नगर पंचायत बनाने हेतु भारतीय शक्ति चेतना पार्टी द्वारा विशाल ज्ञापन तहसील मुख्यालय जबेरा पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार जबेरा को ज्ञापन दिया गया। पंचायत न बनने से जबेरा का विकास रुका हुआ है क्योंकि पंचायत के कार्य सीमित होते हैं जबेरा की जनसंख्या आसपास के क्षेत्र को मिलाकर 10000 से अधिक हो रही है फिर भी जबेरा की अनदेखी की जा रही है बड़ी संख्या में भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी तहसील पहुंचकर के ज्ञापन में सम्मिलित हुए। जिसमें जनपद पंचायत जबेरा के उपाध्यक्ष प्रतिनिधि सुजान सिंह भगवती मानव कल्याण के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।फेटो 10

अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता मंच का धरना प्रदर्शन सम्पन्न

दमोह देशबन्धु। अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता मंच दमोह द्वारा स्थानीय कोआपरेटिव बैंक चौराहे पर एडव्होकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करवाने के लिये 2 बजें से 4 बजें तक सांकेतिक धरना दिया गया। जिसमें म.प्र. शासन द्वारा अधिवक्ताओं की सुरक्षा एवं सम्मान के लिये अधिवक्ताओं के हित में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू कराने के लिये ध्यान आकर्षण कराया गया। अधिवक्ताओं की यह मांग शासन से लम्बे समय से चल रही है।

प्रत्येक अधिवक्ता चाहता है कि उनकी सुरक्षा हेतु एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट शासन द्वारा लागू किया जावे किन्तु म.प्र. शासन द्वारा अधिवक्ताओं की यह मांग पूरी नहीं की जा रही है एवं अधिवक्ताओं में शासन के प्रति रोष व्यापत है और अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता मंच भारत द्वारा शासन को चेतावनी भी दी गई कि यदि अधिवक्ताओं के लिये शासन द्वारा एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू नहीं किया गया तो म.प्र. शासन को इसके गंभीर परिणाम भुगतने होगे।

इसी तारतम्य में एक ज्ञापन मुख्यमंत्री म.प्र. शासन के नाम प्रेषित किया गया। जिसमें एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की गई। उक्त ज्ञापन शासन की ओर से सुश्री पाण्डे नायब तहसीलदार द्वारा धरना स्थल पर आकर लिया गया। इसके पूर्व धरना स्थल पर मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव एडवोकेट, प्रदेश महामंत्री तरूण पटेल एडवोकेट, राष्ट्रीय सचिव युवा प्रकोष्ठ मनोज नागदेव एडवोकेट, जिला अध्यक्ष सुधीर पाण् एडवोकेट उपा. रविकांत ठाकुर एडवोकेट, एवं जिलाध्यक्ष सुश्री मंजूषा चौबे के अलावा सैकडो अधिवक्ताओं की उपस्थिति रही।

जिला एवं ब्लॉक योग समितियों के सदस्यों का गठन किया

दमोह देशबन्धु। मध्य प्रदेश योग आयोग द्वारा गठित जिला एवं ब्लॉक योग समिति के अधिकारियों एवं सदस्यों की बैठक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय दमोह के सभा कक्ष में सम्पन्न हुई। जिला शिक्षा अधिकारी एस. के. नेमा के द्वारा नवनियुक्त जिला योग समिति के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं सभी सम्मानिए सदस्यों का पुष्पहार से स्वागत और परिचय कराया गया। शिक्षा विभाग के जिला योग प्रभारी द्वारका प्रसाद करकरे के द्वारा बताया गया कि मध्य प्रदेश योग आयोग के द्वारा जिला और ब्लॉक स्तरीय योग समिति गठित की गई है। जिसमें अध्यक्ष दीपक सिंह राजपूत, सचिव एस. के. नेमा, जिला शिक्षा अधिकारी एवं सह सचिव डी. पी. करकरे प्रभारी जिला योग समिति को बनाया गया है।

जिला शिक्षा अधिकारी एस.के. नेमा ने बताया कि मध्य प्रदेश योग आयोग के निर्देशों के अनुरूप विकासखंड एवं ग्राम स्तरीय योग समितियों का गठन ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं जिला योग प्रभारी के माध्यम से गठन हो चुका है.। 10 सितंबर तक प्रत्येक विकासखंड के ग्रामों में ग्राम योग समितियां के गठन की कार्यवाही की जाना है।

जिला शिक्षा अधिकारी एस.के. नेमा ने बताया कि जिला योग समिति में अध्यक्ष दीपक सिंह राजपूत, उपाध्यक्ष वर्षा शुक्ला, कोषाध्यक्ष बृजेश सेन एवं 08 योगी भाई बहनों सहित कुल 11 सदस्य जिला टीम बनाई गई है, इसी तरह दमोह जिले के साथ ब्लॉकों में 7 सदस्य ब्लॉक योग समिति बनाई गई है जिसमें अध्यक्ष उपाध्यक्ष एवं पांच सदस्य शामिल हैं। बैठक नवनियुक्त जिला योग समिति के पदाधिकारी, समस्त ब्लॉक के ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक योग प्रभारी एवं विशेष अतिथि के रूप में पतंजलि योग समिति के पंडित कृष्ण कुमार परोहा उपस्थित रहे. आभार प्रदर्शन गायत्री शक्तिपीठ के डॉक्टर नितिन खरे के द्वारा माना गया।

द्वितीय समाजस्य यात्रा रानी दुर्गावती प्रतिमा स्थल सिग्रामपुर से प्रारंभ हुई

दमोह देशबन्धु। प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंवर सुनील शाह ऐडाली ने जानकारी देते हुए बताया है कि शुक्रवार को सर्व आदिवासी समाज एवं गोंड समाज महासभा जिला कमेटी दमोह के सहयोग से द्वितीय जबेरा ब्लॉक एवं तेंदुखेडा ब्लॉक के आदिवासी बहुल इलाकों में होते हुए समस्त ग्रामों में यह यात्रा पहुंचेगी। यह यात्रा सिग्रामपुर वीरांगना महारानी दुर्गावती जी की प्रतिमा स्थल पर रानी का पूजन करके प्रारंभ की गई जिसमें समस्त समाजों के साथ आपसी प्रेम भाई चारे की भावना को बढ़ाने की बात कही गई। गोंड समाज महासभा युवा प्रकोष्ठ जबेरा ब्लॉक अध्यक्ष जय सिंह कड़ोपा जनपद सदस्य प्रतिनिधि ने बताया है कि प्रथम समाजस्य पद यात्रा में सभी वर्गों सभी समाजों का सहयोग भरपूर आशीर्वाद के रूप में मिला था और उम्मीद है इस द्वितीय समाजस्य यात्रा में भी सभी का सहयोग आशीर्वाद प्राप्त होगा। इस यात्रा कार्यक्रम में शामिल गोंड समाज महासभा जिला अध्यक्ष तिरु. धीरज सिंह सरुता, जिला उपाध्यक्ष महराज सिंह धुर्वे रिटायर्ड जवान फौजी, जबेरा ब्लाक अध्यक्ष शिवलाल धुर्वे सरपंच, जिला सलाहकार प्रकाश सिंह धुर्वे सरपंच, तिरु.योगेंद्र सिंह तेकाम सरपंच ग्राम पंचायत जामुन कैलाश सिंह, विशाल सिंह, अनारी सिंह राजा सिंह, धनसिंह , कम्मू सिंह, बाली सिंह, नारायण सिंह जयसिंह कडोपा जनपद सदस्य प्रतिनिधि के सानिध्य में है कार्यक्रम प्रथम बार संपन्न हुआ था अब द्वितीय बार भी संपन्न होने जा रहा है जिसमें प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंवर सुनील शाह ऐडाली उप सरपंच ग्राम पंचायत समदई शामिल रहे।

अग्रवाल समाज की जिला कार्यकारिणी की बैठक 4 को

छतरपुर, देशबन्धु। अग्रवाल समाज के जिला अध्यक्ष प्रभात अग्रवाल ने जिला कार्यकारिणी की बैठक 4 सितम्बर को दोपहर 2.30 बजे सरानी दरवाजा बाहर स्थित महालक्ष्मी मंदिर में बुलाई है।अग्रवाल समाज के मीडिया प्रभारी रामकिशोर अग्रवाल ने बताया कि बैठक में प्रमुख रूप से आगामी 17 दिसंबर 2023 को प्रस्तावित एक दिवसीय सामूहिक विवाह एवं परिचय सम्मेलन की रूपरेखा, जिला अग्रवाल समाज के रजिस्ट्रेशन हेतु बायलॉज पर चर्चा, अग्रसेन जयंती पूरे जिले में क्षेत्र बार आकर्षक रूप से मनाए जाने पर चर्चा की जाएगी।

अग्रवाल समाज के जिला अध्यक्ष प्रभात अग्रवाल ने सभी मार्गदर्शक, निर्देशक, कार्यसमिति सदस्यों, सभी क्षेत्र के प्रतिनिधि और सभी नगर अध्यक्ष से बैठक में आवश्यक रूप से शामिल होने की अपील की है।

कोचिंग जा रही नाबालिग से छेड़छाड़

छतरपुर, देशबन्धु। बमीठा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाली चंद्रनगर चौकी क्षेत्र में दो युवकों द्वारा एक नाबालिग लडकी के साथ छेड़छाड़ और मारपीट किए जाने की गंभीर घटना सामने आई है। इस मामले में पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की है। बताया जा रहा है कि दोनों आरोपी स्थानीय कांग्रेस नेताओं के करीबी हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार चंद्रनगर चौकी क्षेत्र के ग्राम भियांताल की नाबालिग लडकी प्रतिदिन अपने गांव से चंद्रनगर कोचिंग पढने आती थी। विगत 28 अगस्त को सुबह करीब 11 बजे जब वह चंद्रनगर से वापिस अपने गांव जा रही थी तभी भियांताल निवासी कमल यादव और पूरन यादव ने उसे घर छोडने की बात कहकर अपनी बाईक पर बैठा लिया। इसके बाद दोनों युवकों ने रास्ते में बाईक रोककर लडकी के साथ छेड़छाड़ की और जब लडकी ने उनका विरोध किया तो दोनों ले उसके साथ मारपीट कर दी। घटना के बाद लडकी ने घर जाकर अपने परिजनों को जानकारी और फिर परिजनों के साथ चंद्रनगर चौकी आकर शिकायत की। 31 अगस्त को बमीठा थाने में कमल और पूरन के विरुद्ध पुलिस ने धारा 354, 294, 323, 506, 34 आईपीसी एवं पॉस्को एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी है।

सेवानिवृत होने पर दी गई विदाई

सटई, देशबन्धु। नगर सटई में विद्युत मंडल कार्यालय में लोकनाथ पाण्डेय को सेवानिवृत्त होने पर भव्य विदाई समारोह रखा गया। स्टाफ सहित परिजनों एवं रिश्तेदारों ने भावभीनी विदाई दी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहायक अभियंता एमके शुक्ला एवं सहायक अभियंता बिजावर जीके त्रिपाठी उपस्थित रहे। सभी ने फूल मालाओं से श्री पाण्डेय स्वागत किया। किसी ने उन्हें अंग वस्त्र, कलम, धार्मिक पुस्तकें तो किसी ने तस्वीरें भेंट कर भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम का संचालन बाबू खान ने किया।

सहायक अभियंता एम के शुक्ला ने लाईनमैन लोकनाथ पाण्डेय का संक्षिप्त परिचय देते हुये बताया कि उनका कार्यकाल बहुत ही सराहनीय रहा। आप मृदुल और सरल भाषा के धनी व्यक्ति हैं। आपने अपनी ड्यूटी बहुत ही ईमानदारी और मेहनत से की है। कभी अधिकारियों को शिकायत का मौका नही दिया है। सभी ने पाण्डेय जी के कार्यकाल की सराहना की। इस मौके पर ब्रजेन्द्र पटेल, नरेन्द सोनी, उमर खान, हरीश चंद्र दीक्षित, भगवान दास साहू, उमेश अहिरवार, हरदास कुशवाहा, देवेंद्र पटेल, तुलसीदास साहू, राजेन्द्र पटेल, रामकुमार सोनी, जानकी पटेल विशेष तौर पर उपस्थित रहे।

वृद्ध व्यक्ति को चाकू मारकर किया घायल, 5 आरोपियों पर मामला दर्ज

मुरैना, देशबन्धु। जिले के सबलगढ़ थाना अंतर्गत मांगरोल गांव में गुरुवार की शाम पुरानी रंजिश पर पांच आरोपियों ने एक वृद्ध व्यक्ति की मारपीट कर चाकू मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट पर से मामला दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार लालाराम जाटव 62 वर्ष निवासी मांगरोल गुरुवार की शाम अतेंद्र जाटव के घर के सामने से गुजर रहा था, तभी पुरानी रंजिश पर आरोपी प्रशांत जाटव, हरी प्रताप, सतेंद्र, गजेंद्र एवं प्रेम जाटव ने वृद्ध का रास्ता रोककर गाली-गलौज करते हुए मारपीट की एवं उसे चाकू मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट पर से मामला दर्ज किया है।

किशोरी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

मुरैना, देशबन्धु। जिले के पोरसा थाना अंतर्गत तेज सिंह की गड़ी गांव में बीती रात्रि एक किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अंतर्गत बन रही सड़कों के भू.अर्जन का कार्य 10 दिवस में करें: संभागायुक्त

सागर, देशबन्धु। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अंतर्गत सागर में बन रही सड़कों के लिए ली गई भूमि का भू.अर्जन के कार्य 10 दिवस में करें। उक्त निर्देश संभागायुक्त डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की समीक्षा बैठक में दिए। इस अवसर पर प्राधिकरण के अधिकारी सहित इंजीनियर एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे। संभागायुक्त ने कहा कि जिले के मे राष्ट्रीय राजमार्ग पर 42.3 किलोमीटर लागत 790.78 करोड़ की राशि से तैयार हो रही सड़कों भू.अर्जन का कार्य 10 दिवस में करें एवं संबंधित निर्माण एजेंसी को सौंपे। यह सड़क निर्माण कार्य अप्रैल 2024 तक पूर्ण किया जाना है। जिसके लिए सभी अधिकारी समय सीमा में भू.अर्जन कर किसानों को राशि का अवार्ड पारित कर भूमि एजेंसी को सौंपे। डॉ. रावत ने कहा कि सागर मोहनी चलन चौड़ीकरण सड़क में सागर अनुविभाग में सिद्धगुवा, केरवना, कर्रापुर एवं बंडा अनु विभाग में दलपतपुर बायपास, रुरावन, क्रायला, डीलाखेड़ी में जमीनों का भू.अर्जन का कार्य शीघ्रता से करें। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को भू.स्वामियों को मुआवजा वितरण कर भौतिक कब्जा दिलाने की कार्रवाई सुनिश्चित कराएं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के द्वारा बेरखेड़ी से गढपहरा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 146 लंबाई 28.5 किलोमीटर राशि 524.84 करोड रुपए की लागत से तैयार की जा रही है, जिसको नवंबर 2024 तक पूर्ण किया जाना है। राजमार्ग क्रमांक 146 की बरखेड़ी से गढ़पहरा तक चल 28.5 किलोमीटर भारतमाला परियोजना के अंतर्गत मार्ग के निर्माण के लिए ग्राम के बैदौला, कोल्हूआ अमृरसा, सिरवाई में भूमि स्वामियों की भूमि का भू.अर्जन कर कब्जा प्राधिकरण को सौपें। डॉ. रावत ने बताया कि मोहारी से सटई घाट पैकेज दो राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 934 लंबाई 39.57 किलोमीटर राशि 710.92 करोड़ रुपए से सड़क कार्य किया जा रहा है। परियोजना में बंडा अनुविभाग के अंतर्गत बिलाग्राम, चंदोला, शाहगढ़, अमरमऊ, आगरा, हीरापुर, बिलगुआ एवं बिजावर अनुविभाग के अंतर्गत लेहर, दरगुआ मदेवरा, निवार, पालदा के भू स्वामियों की जमीन का भू.अर्जन कर अवार्ड पारित कराएं एवं कब्जा प्राधिकरण को सौपें। निर्देश दिए कि सभी कार्य समय सीमा में गुणवत्ता के साथ संपन्न हो।

रिटायर्ड फौजी ने बड़े भाई, भतीजे और बेटी पर किया फायर, दो की मौत

सागर, देशबन्धु। एक रिटायर्ड फौजी ने अपनी बेटी, बड़े भाई और भतीजे को गोली मार दी। भाई और भतीजे की अस्पताल में मौत हो गई। बेटी के पैर में गोली लगी है, उसका बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। घटना ढाना के पास लालेपुर गांव की है। रिटायर्ड फौजी रामाधार तिवारी 50 शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे पत्नी संध्या तिवारी से किसी बात को लेकर मारपीट कर रहा था। ये देख भाई राममिलन 62 ने बीच बचाव किया। इस दौरान रामाधार ने उसे गोली मार दी। राममिलन का बेटा अज्जू 36 पहुंचा तो उस पर भी गोली चला दी। आरोपी की बेटी वर्षा 24 रोकने आई तो उस पर भी फायर कर दिया। तीनों घर के बाहर सड़क पर तड़पते रहे। आरोपी कार लेकर फरार हो गया। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने आरोपी को सिविल लाइन थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी रामाधार तिवारी तीन भाई थे। एक की पहले ही मौत हो गई, जबकि दूसरे की आरोपी ने गोली मारकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी रिटायर्ड फौजी का आए दिन उसकी पत्नी से विवाद होता रहता था। शुक्रवार की सुबह जब विवाद बढ़ गया तो राममिलन समझाने पहुंचा। रामाधार की चार बेटी और एक बेटा है। एक बेटी की शादी हो चुकी है, जबकि दो बच्चे स्कूल गए हुए थे। रामाधार वर्ष 2019 में फौज से रिटायर हुआ था।

गोगा जी महाराज के चल समारोह का कांग्रेस सेवादल ने किया स्वागत

सागर, देशबन्धु। नगर में वाल्मीकि समाज द्वारा देव श्री गोगाजी महाराज का चल समारोह निकाला गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुये। नगर के विभिन्न मार्गों से होता हुआ चल समारोह तीनबत्ती पहुंचा जहां कांग्रेस सेवादल ने पुष्प वर्षा कर चल समारोह का स्वागत किया और वाल्मीकि समाज के मुखियाओं को पुष्पमाला पहनाकर और श्रीफल से सम्मान कर देव श्री गोगाजी के निकाले झंडा निशान की पूजा अर्चना की। कांग्रेस सेवादल की तरफ से प्रदेश महासचिव रमाकांत यादव, शहर सेवादल अध्यक्ष सिंटू कटारे, महेश जाटव, पप्पू गुप्ता, आनंद हैला, लल्ला यादव, अंकुर यादव आदि उपस्थित रहे।

पीएम स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन में नगर निगम सागर प्रदेश में प्रथम

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने निगम आयुक्त की प्रशंसा की

सागर, देशबन्धु। शासन द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर पथ विक्रेताओं को स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक रूप से मदद करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम स्वनिधि योजना प्रारंभ की गई, जिसके तहत आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों को स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने के लिए ब्याज मुक्त दस हजार की राशि बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है, उसके पश्चात ली गई राशि को जमा कर देने पर उन्हें अपने व्यवसाय को और आगे बढ़ाने के लिए बीस हजार रुपए एवं बीस हजार रुपए की राशि जमा कर देने पर पचास हजार रुपए की ब्याज मुक्त राशि दी जाती है, जिसकी शासन द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जाती है। प्रदेश की 16 नगर निगमो में 31 अगस्त तक की गई मॉनिटरिंग में नगर निगम सागर को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि पीएम स्वनिधि के संबंध में 29 अगस्त को भोपाल में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड ने पीएम स्वानिधि योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक के दौरान नगर निगम सागर द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए, उन्होंने बैठक में उपस्थित नगर निगम आयुक्त चंद्रशेखर शुक्ला द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। निगमायुक्त चंद्रशेखर शुक्ला के निर्देश अनुसार पात्र हितग्राहियों को योजना का शीघ्र लाभ दिलाने तथा नगर निगम क्षेत्र का कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रहे, इसके लिए लगातार योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की जा रही है इसके साथ ही हितग्राहियों को योजना का आसानी से लाभ उपलब्ध कराने पं मोतीलाल स्कूल में लगातार शिविर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें योजना के इच्छुक पात्र व्यक्ति नि:शुल्क आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं तथा जिन हितग्राहियों द्वारा दस हजार की राशि बैंक को वापस कर दी है वह बीस हजार की राशि लेने में आवेदन कर सकते हैं।

भारतीय सेना से सेवानिवृत सूबेदार मेजर प्रकाश राय का स्वागत

सागर, देशबन्धु। भारतीय सेना में 33 सालों तक अपनी सेवाएं प्रदान करने के बाद सूबेदार मेजर प्रकाश राय कल सेवानिवृत हुए। इन्होंने अपने सेवाकाल के दौरान कश्मीर से कन्याकुमारी, कच्छ से अरुणाचल तक तथा देश के अलग-अलग हिस्सों में अपनी अतुलनीय सेवाएं प्रदान की। इनकी नि:स्वार्थ सेवा एवं देश के प्रति समर्पण भावना के लिए इन्हें सेनाध्यक्ष प्रशंसा पत्र तथा दक्षिण-पश्चिमी कमांड प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया। महार रेजिमेंट सेंटर सागर में इनकी विदाई धूमधाम से मनाने के बाद कल मकरोनिया चौराहे से सागर स्टेट कॉलोनी तक इनके चाहने वालो ने पूरे गर्मजोशी के साथ इनका डीजे तथा नगाड़ों के साथ स्वागत किया।

प्रशिक्षण अरज

सागर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन की तैयारियों के लिए विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 40 नरयावली एवं 41सागर के सेक्टर अधिकारी सेक्टर पुलिस अधिकारी एवं जिला एवं विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को 2 सिंतबर को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

फोरलेन सड़क पर अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, वृद्ध की मौत

मालथौन, देशबन्धु। गुरुवार रात 9 बजे के करीबन नेशनल हाईवे 44 सागर के थाना मालथौन के पास सड़क दुर्घटना में वृद्ध व्यक्ति की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। रक्षाबंधन त्योहार पर एक परिवार की खुशी उस वक्त मातम में बदल गई सड़क हादसे में 65 बर्षीय बुजर्ग के मौत की खबर ने बदल दी। नेशनल हाइवे 44 के थाना मालथौन के पास सड़क पार कर रहे वृद्ध को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर दी। मौके से भाग गया। बताया गया कि घर से वृद्ध रोड के उस पर स्थित गल्ले में बने दूसरे मकान पर सोने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार गति से आ रहा अज्ञात ट्रक की चपेट में आ गए मौके से भाग गया। घटना स्थल से वृद्ध को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया जहां चिकित्सीय परीक्षण के दौरान डॉक्टरो ने मृत घोषित कर दिया। थाना मालथौन से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार रात 9 बजे के करीब नारायण पिता भैरव यादव 65 बर्ष पठला मुहल्ला निवासी मालथौन की अज्ञात सड़क दुर्घटना में मौत होने की सूचना प्राप्त हुई हैं। पुलिस ने सूचना पर मर्ग कायम कर विवेचना में लिया।

ओव्हरलोड एवं नियम विरूद्ध संचालित वाहनों की चैकिंग की कर,14 वाहनों से 62000 रुपए पेनाल्टी वसूली

सागर, देशबन्धु। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सुनील कुमार शुक्ला के निर्देशन में सुरेन्द्र सिंह गौतम, सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी एवं प्रवर्तन अमले द्वारा सागर-भोपाल मार्ग एवं शहरी क्षेत्र में लगभग 48 वाहनों को चैक किया गया। जिनमें से 14 वाहनों में क्षमता से अधिक सवारी बैठी पाई गई, प्रदूषण प्रमाण पत्र नही पाया गया, वाहन में किराया सूची चस्पा नहीं थी चालक/परिचालक निर्धारित गणवेश नहीं होने से उक्त यात्री बसों एवं अन्य वाहनों के विरूद्ध मोटरयान अधिनियम के तहत् चालानी कार्यवाही कर 62,000 रुपए जुर्माना वसूल कर छोड़ा गया। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने समस्त वाहनस्वामियों को हिदायत दी है कि वे अपने वाहनों के संचालन के दौरान वाहन से संबंधित समस्त दस्तावेजों को साथ में रखे।

8 भैंसों को जप्तकर गौशाला भेजा, 7 भैंसों को विस्थापन स्थल शिफ्ट किया

सागर, देशबन्धु। निगमायुक्त चंद्रशेखर शुक्ला के निर्देशानुसार सहायक आयुक्त राजेश सिंह की उपस्थिति में हुई कार्रवाई के तहत मुख्य मार्गों पर विचरण करने वाली 8 भैंसों को जप्तकर गौशाला भेजा गया। इसके अलावा पुलिस बल की उपस्थिति में शनिचरी वार्ड स्थित रामकुमार यादव की 7 भैंसों को डेयरी विस्थापन स्थल रतौना नगर निगम के वाहन द्वारा शिफ्ट किया गया।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली** * प्रबंध संपादक **डॉ. योगेश दत्त तिवारी** फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन-** MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।